अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 255 लखनऊ, शनिवार, 04 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा के 27 उम्मीदवारों की सूची जारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए 27 उम्मीदवारों की सूची शुक्रवार को जारी की। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के मुताबिक मायलापुर सीट से तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को टिकट दिया है। सूची में राष्ट्रीय महिला मोर्चा प्रमुख वनिथी श्रीनिवासन, प्रदेश अध्यक्ष नैनार नैनार नागेंद्रन के नाम भी शामिल हैं। हालांकि इस सूची में के. अन्नामलाई का नाम नहीं है। उन्होंने पहले ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटें हैं। गठबंधन में समझौते के तहत भाजपा को कुल 27 सीटें मिली हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना होगी।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगा सवेतन अवकाश : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2026 के राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक श्रमिकों पर भी लागू होगी और इस दिन के लिए किसी भी प्रकार की वेतन कटौती नहीं की जाएगी। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाने पर आआपा में बढ़ी तकरार, बयानबाजी तेज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटाने के बाद पार्टी के नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गयी है। राघव चड्ढा ने इसे अपनी आवाज दबाने की कोशिश बताया है, जबकि पार्टी के अन्य नेताओं ने उन पर गंभीर मुद्दों पर सदन में चुप रहने का आरोप लगाया है। राघव चड्ढा ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि उन्हें खामोश करवाया गया है, लेकिन वे हारे नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर उनकी आवाज पर रोक क्यों लगाई जा रही है। चड्ढा ने कहा कि वह संसद में आम आदमी से जुड़े मुद्दे जैसे महंगाई, एयरपोर्ट पर महंगा खाना, डिलीवरी कर्मियों की समस्याएं, मिलावटी भोजन, टोल और बैंक से जुड़ी परेशानियां उठाते रहे हैं।

असम को नहीं बनने देंगे लव जेहाद एवं लैंड जेहाद की धरती : योगी

एजेंसी

● बरपेटा में योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैली, कांग्रेस और एआईयूडीएफ पर साधा निशाना

बरपेटा (असम)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के पक्ष में बरपेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के पहले ही मैदान छोड़कर भाग गई, जबकि एआईयूडीएफ को भी बंगाल की खाड़ी में फेंकने का समय आ गया है।

उन्होंने असमवासियों से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि घुसपैठियों को बाहर करना है और असम की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देना है। राजग का संकल्प है कि असम को लव जेहाद-लैंड जेहाद की धरती नहीं बनने देंगे। यहां घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस व यूडीएफ की घुसपैठियों के जरिये डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे। एक-एक घुसपैठी को चिह्नित कर यहां से बाहर करने की भी व्यवस्था हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का अड्डा नहीं बनने देंगे और दंगाइयों को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ को जब भी अवसर मिला, इन्होंने भारत व भारतीयता को अपमानित किया। एआईयूडीएफ असम में घुसपैठ की जननी है। घुसपैठियों के बल पर असम की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनकी सहयोगी बनकर असम की संस्कृति से खिलवाड़ कर रही है। वहीं राजग सरकार असम की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण करते हुए हर घुसपैठिए को बाहर कर डेमोग्राफी को चेंज करने की साजिश को विफल कर रही है।

उन्होंने असमवासियों को रंगाली बिहू उत्सव की शुभकामना देते हुए असम को भारत के गौरव की धरा बताया और कहा कि हर भारतवासी यहां मां कामाख्या के दर्शन करने आता है। यहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व समृद्ध परंपरा ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में महती भूमिका का निर्वहन किया है। वैष्णव परंपरा में श्रीमंत शंकर देव व माधव देव की पावन धरा ने नई ऊंचाई के साथ इसे एकता, भक्ति व मानवता के संदेश की भूमि के रूप में परिवर्तित किया है।

असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडों के साथ जैव विविधता के लिए जग विख्यात है। अहोम राजवंश ने इसी पावन धरा में विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ाकर अहोम की समृद्ध संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाकर भारत की रक्षा में योगदान दिया था। अहोम राजवंश के महान नायक लचित बोरफुकन का अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। असम ने मेहनत, परिश्रम व पुरुषार्थ से चाय की चुस्की को दुनिया तक पहुंचाया। असम अब चाय के साथ चिप के उत्पादन की केंद्रभूमि भी बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में भारत रत्न केवल एक खानदान के लोगों को प्राप्त होता था। असम के संगीत एवं संस्कृति की पहचान भूपेन हजारिका को भारत रत्न 2019 में मोदी सरकार ने और गोपीनाथ बोरदोलोई को 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने दिया। कांग्रेस नेतृत्व की सरकारों ने 60 वर्षों तक असम में अराजकता, दंगा, कर्फ्यू, घुसपैठ को बढ़ावा देकर सुरक्षा में सेंध लगाई और विरासत को अपमानित किया। कांग्रेस को मां कामाख्या कॉरिडोर, काजीरंगा नेशनल पार्क में गैंडा संरक्षण, असम एवं पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी याद नहीं आई। आज पूर्वोत्तर राज्यों में सड़क, रेल, एयरपोर्ट व इनलैंड वाटरवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है और यहां इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी, आईआईएम का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से संवाद करते हुए कहा कि देश में जहां-जहां राजग सरकार है, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वहां-वहां विकास और विरासत का सम्मान है।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामजन्मभूमि के लिए आंदोलन चला। असम से भी रामभक्त जाते थे, नारा लगाते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लेकिन, कांग्रेस ने कहा कि राम तो हुए ही नहीं। उसके सहयोगी दलों ने भी राम के अस्तित्व को नकारा, लेकिन जब उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी तो 500 वर्ष की तमन्ना पूरी हुई और अयोध्या में भव्य राममंदिर बन गया।

देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध : अमित शाह

ग्वालपाड़ा (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दुधनाई के कॉलेज ग्राउंड मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार टंकेश्वर राभा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। वह असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे थे। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार देश से अवैध विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम को अशांत बनाए रखा और राज्य की संस्कृति के संरक्षण के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भाजपा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास कर रही है। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासन में लगभग 10 हजार लोगों को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में वापस लाया गया है।

पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो राजग गठबंधन के लिए मांगा समर्थन

एजेंसी

पुडुचेरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में एक भव्य रोड शो किया और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधनके लिए समर्थन मांगा। उनके आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारों के साथ जोरदार स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआईएनआरसी के संस्थापक तथा राज्य के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और ए. नमस्सिवयम के साथ रोड शो किया। रोड शो अजंता सिग्नल पॉइंट से शुरू होकर कामराजर प्रतिमा/राजा थिएटर सिग्नल पर समाप्त हुआ।भाजपा कार्यकर्ताओं केअनुसार लगभग दो किलोमीटर लंबे रोड शो को पूरा होने में करीब एक घंटा लगा।

रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री खुले वाहन में सवार होकर लोगों का अभिवादन करते रहे। रास्तेभर समर्थकों ने उन पर फूलों की वर्षा की और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। पूरे शहर में भाजपा और एआईएनआर कांग्रेस के झंडे लहराते नजर आए, खासकर एसवी पटेल रोड से लेकर अन्ना सलाई-कामराजर सलाई जंक्शन तक। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए थे। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। बड़ी संख्या में समर्थक पहले से ही रोडशो स्थल पर जुट गए थे। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है।

यूपी एटीएस की बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने कथित तौर पर पाकिस?तानी आका के निर्देश पर रेलवे अवसंरचना सहित देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमले की साजिश रचने में 'शामिल' गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने यहां जारी एक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ जिले के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के अगवानपुर निवासी साकिब उर्फ डेविल (25) और अरबाब (20) तथा गौतम बुद्ध नगर जिले के छपरौला निवासी विकास गहलावत उर्फ रौनक (27) और लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू (19) के रूप में हुई है।

यश के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से एक अदद कैन (ज्वलनशील पदार्थ), सात अदद स्मार्ट फोन, 24 पर्चा और आधार कार्ड बरामद किया गया है। आरोपी सोशल मीडिया के जरिये पाकिस?तानी आका के संपर्क में थे। बयान में कहा गया कि सभी आरोपी देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे और इनका इरादा डर फैलाना और देश को आर्थिक क्षति पहुंचाना था। अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) ने बयान में कहा कि जांच के दौरान पाया गया कि गिरोह का मुख्य सरगना साकिब उर्फ डेविड मेरठ में नाई का काम करता है और सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम, सिग्नल और इंस्टाग्राम के जरिये पाकिस्तानी आकाओं, विभिन्न कट्टरपंथी समूहों तथा अफगानिस्तान के कई लोगों से जुड़ा हुआ था।

पुलिस ने बताया कि यह गिरोह देश की संप्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने, 'रेलवे सिग्नल बॉक्स' को नष्ट करने, गैस सिलेंडर से भरे ट्रकों में आग लगाने जैसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह राजनीतिक हस्तियों की निगरानी करने में भी लगा था। बयान में कहा गया कि आरोपियों द्वारा कुछ स्थानों पर छोटी आगजनी की घटनाओं को भी अंजाम दिया गया और इसके वीडियो पाकिस्तानी आकाओं को भेजकर क्यूआर कोड के माध्यम से पैसे मंगाए जाते थे।

'तारागिरी' भारत के समुद्री बेड़े में शामिल, नौसेना की ताकत बढ़ी

● हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी को शामिल कर लिया गया। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों कमीशनिंग हुई। तारागिरी को ऐसे समय में शामिल किया गया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। तारागिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी।प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का चौथा स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है। संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित तारागिरी को 'उच्च गति-उच्च धीरज' बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

भागवत कथा के पहले दिन बताया कथा का महत्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। बर्रा 2 हेमंत विहार स्थित शिवाजी पार्क मे सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा का शुभारंभ कुंज बिहारी सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

वृंदावन धाम से पधारे अन्तर्राष्ट्रीय कथा व्यास पंडित श्री अभिनव जी महाराज ने पहले दिन भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है, जिस प्रकार परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर अभय को प्राप्त किया, वैसे ही भागवत जीव को अभय बना देती है। प. श्री अभिनव जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परमहंसों की संहिता है, भागवत कथा हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाता है। अधिक मास में इसके श्रवण का महत्व है। भागवत कथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है। यह ग्रंथ वेद, उपनिषद का सार रूपी फल है। यह कथा रूपी अमृत देवताओं को भी दुर्लभ है। इस मौके पर गुरु माँ मोहिता शर्मा जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ , वा ईशान शर्मा दिलीप पांडे , समेत भक्त मौजूद थे।

अखिलेश कंफ्यूज या हिंदू वोटरों का भय

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

● पीडीए की रट लगाने वाले सपा प्रमुख ने इटावा में निर्माणाधीन केदारेश्वर महादेव मंदिर में प्रभु श्रीराम की मूर्ति है लगाई

● भाजपा और सहयोगी संगठन अखिलेश पर आरोप लगाते हैं कि वे मुस्लिम तुष्टीकरण के चलते श्रीराम के दर्शन को नहीं पहुंचे

लखनऊ। कारसेवकों पर गोली चलवाने का आरोप झेलने वाली समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस समय कुछ कंफ्यूज दिखाई दे रहे हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बावजूद उससे दूरी बनाकर रखने वाले अखिलेश ने बीते 31 मार्च को इटावा में निर्माणाधीन केदारेश्वर महादेव मंदिर में प्रभु श्रीराम की अभिराम मूर्ति लगाकर सियासी हल्कों को चौंका दिया है। इसके चलते वे भाजपा और सहयोगी संगठनों के निशाने पर हैं। उन पर आरोप लग रहे हैं कि मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए प्रभु श्रीराम और हिंदुओं से दूर रहने वाले अखिलेश यादव को चुनाव आते ही प्रभु श्रीराम की याद आ गई है, यह उनका दोहरा चरित्र है पर जनता सब समझता है। भाजपाइयों का कहना है कि अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवाने वाली सपा को हिंदू कभी माफ नहीं करेगा। ऐसे में इटावा में प्रभु श्रीराम की अभिराम मूर्ति लगने के बाद से सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जैसे-जैसे यूपी विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे सियासी दलों का रंग बदलता जा रहा है।

इसी क्रम में सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी रुख बदला है, और प्रभु श्रीराम के प्रति उनका आकर्षण बढ़ा है। खबर है कि इटावा के केदारेश्वर महादेव मंदिर में अखिलेश यादव ने प्रभु श्रीराम की अभिराम मूर्ति लगाई है। अब इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा का आरोप है कि सपा प्रमुख अभी तक अयोध्या में श्रीराम मंदिर का दर्शन करने नहीं गए और अब केदारेश्वर महादेव मंदिर में प्रभु श्रीराम की मूर्ति लगा दिया है।

भाजपा ने इसे आस्था नहीं, नौटंकी करार दिया है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा है भाजपा के भय से पहले इटावा में शिव मंदिर बनवाना और अब उसमें प्रभु श्री राम की मूर्ति लगवाना दोहरी राजनीति है। उनका कहना है कि असल में वे रामभक्ति का स्वांग रहे हैं। वे कहते हैं कि ये अवसरवादी राजनीति का नमूना है। अगर वे सच्चे सनातनी होते तो मथुरा में ईदगाह की जमीन खाली कर कृष्ण मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करते। साथ ही बाबरी मस्जिद बनाने वालों का विरोध करते। वे हिंदू वोटरों को भ्रमित करने के लिए भगवान राम की मूर्ति के पीछे छिपना चाहते हैं। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि ये सिर्फ राजनीतिक स्वांग है।

इस पर सफाई देते हुए अखिलेश यादव का कहना है कि हम लोग समाजवादी हैं, और सबका सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि हम राम को बेचकर राजनीतिक नहीं करते हैं। चूंकि हमने संकल्प लिया है कि जब तक इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर पूर्ण नहीं हो जाता और हम दर्शन नहीं कर लेते, तब तक हम अयोध्या में श्रीराम का दर्शन करने नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी कौन होती है, ये तय करने वाली कि कौन, कब राम मंदिर जाएगा।

प्रभु श्रीराम पर उनका एकाधिकार नहीं है। वैसे अखिलेश यादव अब तक इस सवाल का जवाब नहीं दे पाए हैं कि जब इटावा में कृष्ण मंदिर बनना प्रस्तावित था तो फिर उसकी जगह केदारेश्वर महादेव मंदिर बनना क्यों शुरू किया गया। क्या उन्हें कृष्ण भक्ति से गुरेज है। भाजपा अक्सर इस पर उनसे प्रश्न करती है।

अवैध किडनी कांड में अब तक 8 गिरफ्तारी, आधा दर्जन अस्पताल रडार पर : डीसीपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। अवैध किडनी खरीद-फरोख्त मामले में अब तक 8 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 7 से 8 अस्पताल जांच के दायरे में आए हैं। मामले में अन्य संदिग्धों की पहचान कर दबिश दी जा रही है और गाजियाबाद निवासी डॉक्टर रोहित की तलाश तेज कर दी गई है। वहीं डॉक्टर अली की भूमिका को लेकर भी जांच जारी है और पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस लगातार साक्ष्य जुटाकर आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। यह जानकारी शुक्रवार को पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने दी। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में सामने आए अवैध किडनी ट्रांसप्लांट कांड की जांच लगातार गहराती जा रही है। डीसीपी के अनुसार इस मामले में अब तक कुल आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि जांच के दौरान कई अन्य संदिग्धों के नाम भी प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जांच के क्रम में गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी डॉक्टर रोहित का नाम सामने आया है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। उसके संबंध में अन्य आवश्यक जानकारियां भी एकत्रित की जा रही हैं।

हिमंता बिस्वा सरमा पर ओछी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने उत्तर-पूर्वी राज्यों का किया अपमान : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर ओछी टिप्पणी करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लखनऊ में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री पर ओछी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने साबित कर दिया है कि उनका पांच दफा का सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता का अनुभव कुंठा से लबालब है। आम आदमी की तो छोड़िए, राहुल गांधी संवैधानिक पद पर बैठे किसी ज़िम्मेदार व्यक्ति को भी किसी क्षण अपमानित कर सकते हैं। लेकिन वे

● समाजवादी पार्टी का सूर्य अस्त होने की ओर : उप मुख्यमंत्री

यह नहीं जानते कि हिमंता बिस्वा सरमा पर उनकी ओछी टिप्पणी समूचे उत्तर-पूर्वी राज्यों का अपमान है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी को अपनी हार का शतक लगाने की जल्दबाजी है, असम में भाजपा की जीत उनकी ख्वाहिश जरूर पूरा करेगी। असम में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। तमिलनाडु व केरल में भी भाजपा अच्छा प्रदर्शन करने जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 04 मई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गई। बंगाल की जनता चिल्लाकर कह रही है। जैसे-जैसे टीएमसी की विदाई का समय

आ रहा है। वैसे-वैसे बौखला कर देश के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर वहां गये अफसरों को टीएमएसी द्वारा बंधक बनाना और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले करना उनकी हार की बौखलाहट का परिणाम है। सपा का सूर्य अस्त होने की ओर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े सवाल पर कहा कि जब तक 2027 का रिजल्ट नहीं आ जायेगा और सपा एक गाड़ी में बैठकर सैफई वापस नहीं चली जायेगी तब तक सपा की बयानबाजी जारी रहेगी। सपा का सूर्य अस्त होने की ओर है। सपा डूबता हुआ जहाज है। उत्तरप्रदेश में सपा का कोई भविष्य नहीं है। अपराधियों, दंगाइयों और माफियाओं के बल पर उत्तर प्रदेश की सत्ता कोई नहीं हथिया सकता। विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत बनाने के लिए कमल खिला है कमल खिला रहे और तीसरी बार बड़े बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि धरातल पर भाजपा है, जनता के बीच भाजपा है, गरीबों व किसानों के बीच भाजपा है, नौजवानों व मातृशक्ति के बीच भाजपा है। भाजपा ही वर्तमान है। अखिलेश सत्ता पाने को लेकर बेचैन हैं। उनके साथ न तो पिछड़ा है न दलित।

शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर सीएम योगी समेत डिप्टी सीएम ने किया याद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य एवं उत्कृष्ट सुशासन के प्रतीक, हिंदवी स्वराज के संस्थापक, राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। उन्होंने कहा, मातृभूमि की रक्षा और सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए उनका समर्पित जीवन और उच्च आदर्श हम सभी के लिए महान प्रेरणा हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

पंकज चौधरी ने किया डॉ. ऋचा गंगवार की पुस्तक 'गर्भ संस्कार' का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋचा गंगवार की पुस्तक 'गर्भ संस्कार' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय, विधान परिषद के सदस्य अवनीश सिंह पटेल, एमएलसी हरिओम पाण्डेय, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री दीपक मल्ल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुस्तक की लेखिका डॉ. ऋचा गंगवार ने कहा कि गर्भ संस्कार भारत की प्राचीन जन्मपूर्व ज्ञान प्रणाली है। इसका मतलब है गर्भ संस्कृति, यानी प्रेगनेंसी के दौरान बच्चे के मन, शरीर और आत्मा का ध्यान से पालन-पोषण करना। आधुनिक विज्ञान भी अब मानता है कि कैसे शुरुआती भाव (इमोशनल) और सुनने के अनुभव बच्चे के भविष्य को बनाते हैं। एरा मेडिकल कालेज के प्रोफ़ेसर डॉ. के. पी. मल्ल ने बताया कि इस पुस्तक में 10 अध्याय है। गर्भधारण के बाद हर एक महीने के हिसाब से अध्याय है। जबकि 10 वाँ अध्याय योगाशन व प्राणायाम के बारे में है। इस पुस्तक की विशेष बात यह है कि हर अध्याय के बाद क्यू आर कोड दिया गया है। इसे मोबाइल से स्कैन कर महिलाएं डॉ. ऋचा गंगवार का वीडियो सुन सकती हैं। इस पुस्तक में लाइफ़स्टाइल, इंद्रियों का विकास, व्यक्तित्व की छाप, याददाश्त की शक्ति, चेतना और योग व प्रेग्नेंसी के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है।

विधायक शलभमणि के बचाव में उतरी सुभासपा, राघवेंद्र बोले- सपा फैला रही भ्रम

अखिलेश यादव को बताया दगे हुए कारतूस, न आवाज में दम और न ही बात में असर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के सदर विधायक भाजपा प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी पर लगे आरोपों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। विधायक शलभमणि पर समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के बीच सुभासपा ने खुलकर उनका बचाव किया है। सुभासपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राघवेंद्र राम द्विवेदी ने बिना तथ्यों के आरोप लगाने को गलत ठहराते हुए सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर झूठी बयानबाजी और राजनीतिक द्वेष फैलाने का आरोप लगाया है। राघवेंद्र द्विवेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तीखा हमला बोलते हुए लिखा कि सिर्फ बयानबाजी और दिखावे की राजनीति से सच नहीं बदलता। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पार्टी के कुछ प्रवक्ताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वे दगे हुए कारतूस बन चुके हैं। न आवाज में दम है और न ही बात में असर। सुभासपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राघवेंद्र राम द्विवेदी ने कहा कि बिना ठोस तथ्यों के आरोप लगाना सिर्फ राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सपा इस मुद्दे को तूल देकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। जबकि सच्चाई से उसका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता के बीच सक्रिय रहकर काम करने वाले जनप्रतिनिधियों को बदनाम करना लोकतंत्र के लिए ठीक संकेत नहीं है। सुभासपा हमेशा सच और जनहित के साथ खड़ी रही है और आगे भी मजबूती से खड़ी रहेगी।

आर्मी मेडिकल कोर की 262वीं वर्षगांठ मनाई वीर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) की 262वीं वर्षगांठ एएमसी सेंटर और कॉलेज में उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस मौके पर कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह ने 'श्रद्धांजलि' युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद जवानों को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इस दौरान उन सैनिकों को याद किया गया, जिन्होंने देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। समारोह के तहत कर्मचारियों, उनके परिवारों और बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और माहौल उत्साहपूर्ण रहा। एक विशेष सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह ने अधिकारियों और जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर का प्रशिक्षण बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। साथ ही उन्होंने सभी कर्मियों के समर्पण और मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम का समापन एएमसी सेंटर और कॉलेज के ऑफिसर्स मेस में आयोजित भव्य सामाजिक संध्या के साथ हुआ।

लखनऊ के गौतमपल्ली थाना प्रभारी लाइन हाजिर, कई और पुलिस कर्मियों पर भी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट के थाना गौतमपल्ली के थाना प्रभारी रत्नेश सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उनकी जगह पर पुलिस लाइन में तैनात विपिन सिंह को थाना का कार्यभार सौंपा गया हैं। इसके अलावा थाना में तैनात अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ जांच की जा रही है, जिसके बाद उन पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। लखनऊ पुलिस आयुक्त की ओर से जारी किए गए पत्र में जानकारी दी गई कि गौतमपल्ली थाना प्रभारी रत्नेश कुमार सिंह को लाइन हाजिर करते हुए पुलिस लाइन भेजा गया है। उनकी जगह पर पुलिस लाइन में तैनात विपिन सिंह को गौतमपल्ली का थानाध्यक्ष बनाया गया है। गौतमपल्ली थाना पुलिस पर कथित वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं। दो दिन पहले दारोगा एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर थाने लाए थे। उस व्यक्ति से ढाई लाख रुपये की वसूली का आरोप थाना पुलिस पर लगा है।

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित होगा उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पेश किया विकसित यूपी@2047 का रोडमैप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'विकसित उत्तर प्रदेश@2047' के विजन के तहत वर्ष 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में पर्यटन विभाग ने अपना रोडमैप जारी किया है। जिसके तहत विभाग ने वर्ष 2047 तक राज्य को विश्व की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में देश के पर्यटन आधारित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में यूपी का योगदान वर्तमान के लगभग 9.2 प्रतिशत में क्रमिक रूप से बढ़ोतरी करते हुए वर्ष 2029-30 तक 11 प्रतिशत, वर्ष 2035-36 तक 14 प्रतिशत और वर्ष 2046-47 तक 16 प्रतिशत तक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित उत्तर प्रदेश@2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पर्यटन विभाग सबसे जरूरी कार्य राज्य में पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने के प्रयासों को और गति प्रदान करेगा। हालांकि इस दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में प्रदेश के पर्यटन एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का वृहद पैमाने पर सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार किया गया है। साथ ही यूपी पर्यटन नीति-2022 के तहत राज्य में पर्यटन आधारित अवसंरचना होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे का भी तेज गति से विकास किया गया है। इसी क्रम में राज्य के पर्यटकों के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या को वर्तमान में प्रति लाख जनसंख्या पर 30 से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 150 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही राज्य में विदेशी पर्यटकों के ठहरने की औसत अवधि को वर्तमान की 3 रात्रि से बढ़ाकर वर्ष 2046-47 तक 6 रात्रि तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पर्यटकों की संख्या के मामले में

● पर्यटन आधारित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में यूपी का योगदान 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 16 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य

भी उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर अपनी स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। हालांकि घरेलू पर्यटकों के मामले में उत्तर प्रदेश सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर चुका है, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी राज्य का चौथा स्थान है, जिसमें बढ़ोतरी करने के सभी संभव प्रयास किए जाएंगे। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था के मानक के अनुसार राज्य में आने वाला 1 पर्यटक 6 लोगों के लिए आय का सृजन करता है। इस दिशा में वर्ष 2025 में महाकुंभ के भव्य आयोजन में आए रिकॉर्ड 66 करोड़ पर्यटकों के अतिरिक्त राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों में 64.9 करोड़ पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। पर्यटन विभाग पर्यटकों की इस संख्या को वर्ष 2029-30 तक बढ़ाकर 75 करोड़ और वर्ष 2047 तक 100 करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में यूनेस्को से मान्यता प्राप्त भौतिक एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की संख्या बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। जिसके तहत वर्तमान में प्रदेश के पास यूनेस्को से मान्यता प्राप्त 07 विरासतें हैं, जिनकी संख्या वर्ष 2029-30 तक 08, 2035-36 तक 14 और वर्ष 2047 तक 20 पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विकसित उत्तर प्रदेश@2047 का विजन राज्य में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने के साथ राज्य की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर और अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सनातन संस्कृति और भारत की प्राचीन सभ्यता के केंद्र काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा-वृंदावन के विकास से उत्तर प्रदेश में न केवल पर्यटन गतिविधियों का विकास हो रहा है, बल्कि उत्तर प्रदेश वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में भी स्थापित हो रहा है। इसके साथ ही राज्य में रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी भी सुनिश्चित हो रही है।

ये अमृतकाल नहीं, सनातनियों का संकटकाल है: अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में ल्लअमृतकाल नहीं, बल्कि संकटकालङ्क चल रहा है। समाजवादी पार्टी अब गांव-गांव जाकर डॉ. भीमराम अम्बेडकर की जयंती मनाएगी और संविधान पर चर्चा करेगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और लोकतंत्र की जगह ल्लएकतंत्रङ्क लाना चाहती है। यह अमृतकाल नहीं है, यह सनातनियों का संकटकाल चल रहा है। संत मारे जा रहे हैं, संतों की हत्याएं हो रही हैं, उनका अपमान किया जा रहा है। अखिलेश ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में लोहिया वाहिनी और छात्रसभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड सहित अन्य संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसी अवसर पर वे मीडिया से मुखातिब थे। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम समाजवादी लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान, डॉ लोहिया के दिखाया हुए रास्ते और नेताजी के आदर्शों पर चलकर समाजवादी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। दूसरी ओर भाजपा की सरकार है, जो सौदागर की तरह काम कर रही है। हर चीज बेच रही है। उनका लक्ष्य केवल मुनाफा कमाना है। उनके भ्रष्टाचार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। नौजवानों को सिर्फ बड़े-बड़े निवेश के सपने दिखाए गए। पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथों में रोजगार नहीं है। सरकार से पूछो कि निवेश से कितने रोजगार के अवसर बने, तो आंकड़े नहीं बताते। यह संविधान से चलने वाले वाले लोग नहीं हैं। यह मन विधान से चलने वाले लोग हें। हम लोग लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते हैं। संविधान हमारा रक्षक है। संविधान हमारी बुनियाद है। उसी बुनियाद को यह संस्थाओं के माध्यम से हिलाना चाहते हैं। उसको कमजोर करना चाहते हैं। हम पीडीए के लोग एकजुट होकर 2024 की तरह भाजपा का मुकाबला करेंगे और 2027 की विधानसभा में हराएंगे। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाकर एक बार फिर विकास को गति देंगे। अखिलेश यादव ने सीएम योगी के जापान दौरे पर तंज कसा। कहा कि ये लोग जापान घूम आए, लेकिन वहां से भी कुछ नहीं सीखा। कम से कम जापान देखकर सरकार की आंखें तो खुल जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा लगता यह है कि जापान देखने के बाद आंखें बंद हो गई हैं। हमारे प्रदेश में एक खास वनस्पति हर जगह पकड़ी जा रही है। लगता तो प्रदेश में वनस्पति का कहीं रिसर्च सेंटर ना खुल जाए। पता ही नहीं चलता कि असल में है कि असर से है। क्योटो (गोरखपुर) का हाल आपने देखा ही होगा कि किस तरह वहां गोली चल रही है। मुख्यमंत्री की नगरी में उन्हीं के सांसद, उन्हीं के नेता सरकार पे और सरकार के सबसे करीब लोगों के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। उनके एक राज्यसभा सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो सरकार का डैश-डैश-डैश कर देंगे। आप सोचिए, इस सरकार में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। शिक्षा विभाग को खत्म कर दिया है। प्राइमरी एजुकेशन को खत्म कर दिया। स्वास्थ्य का हाल तो हम लोग देख ही रहे हैं। एंबुलेंस में लोगों की जान जा रही है। गलत ऑपरेशन हो रहे हैं। जो जिंदा हैं, उन्हें मुर्दा घर ले जा रहे हैं। अब तो हद पार हो गई, जानवर वाला इंजेक्शन आदमी के लिए खरीद ली। इससे बड़ा नेगिंजेंस मेडिकल क्षेत्र में क्या हो सकता है? स्वास्थ्य विभाग ही वेंटिलेटर पे है।

अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई : अमित कुमार घोष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने जनपद संभल के कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव सौंधन करनपुर कायस्थ में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक में तीन वर्षीय बालक की मौत की घटना का संज्ञान लिया है। अपर मुख्य सचिव द्वारा संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को अवैध क्लीनिक के संबंध में तत्काल अपनी आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। सीएमओ द्वारा प्रेषित रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि निरीक्षण के दौरान क्लीनिक बंद पाया गया। आस-पास के लोगों ने बताया कि क्लीनिक संचालक अनिकेत पुत्र पप्पू सिंह द्वारा बिना किसी बोर्ड या वैध अनुमति के क्लीनिक संचालित किया जाता था। इसी क्लीनिक में इंजेक्शन लगाने के दौरान बच्चे की मौत हो गई। घटना की रात्रि से क्लीनिक संचालक फरार है। मकान मालिक की उपस्थिति में क्लीनिक की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है। क्लीनिक को सील कर न्यायालय में परिवाद दायर करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अपर मुख्य सचिव ने प्रदेश के समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समस्त जनपदों में अभियान चलाकर ऐसे अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नियमानुसार सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। भविष्य में किसी भी जनपद में अनाधिकृत रूप से संचालित क्लीनिक की शिकायत मिलने पर संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों का दायित्व निर्धारण कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

वित्त वर्ष 2026 में 214,000 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ टैफ़े ने दर्ज की नई उपलब्धि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विश्व की एक अग्रणी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी और भारत की दूसरी सबसे बड़ी ट्रैक्टर कंपनी ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफ़े) ने वित्त वर्ष 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन की घोषणा की है। इस वर्ष कंपनी ने लगभग 2,14,951 ट्रैक्टर यूनिट्स की बिक्री की, जो कंपनी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। टैफ़े ने मार्च 2026 में 37.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ शानदार तरीके से इस वित्त वर्ष का समापन किया। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए टैफ़े की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. लक्ष्मी वेणु ने कहा यह आंकड़ा इस माह के लिए घरेलू उद्योग की 29 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उद्योग की तुलना में इस तेज वृद्धि से यह साबित होता है कि न केवल टैफ़े की उत्पाद श्रृंखला मजबूत हुई है और किसानों के साथ जुड़ाव गहरे हुए हैं बल्कि प्रमुख कृषि क्षेत्रों में इसके कृषि उपकरणों की निरंतर मांग भी बढ़ी है। कंपनी ने घरेलू बिक्री के क्षेत्र में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि का रिकॉर्ड बनाया, कंपनी के दोनों ब्रांड्स मैसी फ़र्ग्यूसन और आइशर ट्रैक्टर्स ने बंपर बिक्री दर्ज की। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में 12,584 ट्रैक्टरों के निर्यात के साथ ही टैफ़े ने निर्यात खंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे कंपनी की वैश्विक उपस्थिति और विविध विकास रणनीति और भी मजबूत हुई है। घरेलू और निर्यात बाजारों में निरंतर मांग को पूरा करने के लिए, टैफ़े के विनिर्माण संयंत्रों ने वर्ष के दौरान पूर्ण क्षमता में काम किया। कंपनी भविष्य के विकास की राह तैयार करने के लिए क्षमता विस्तार पहलों पर विचार कर रही है ताकि वैश्विक ट्रैक्टर उद्योग में अपने पदचिन्हों को और मजबूत बना सके। डॉ. लक्ष्मी वेणु ने कहा यह वर्ष ट्रैक्टर बाजार और देश के किसानों दोनों के लिए अत्यंत आशाजनक रहा है। अच्छी बारिश और सरकार द्वारा जीएसटी में कटौती के कदम से कृषि क्षेत्र को काफी राहत मिली है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी मशीनीकरण के प्रसार ने जोर पकड़ लिया है। इस वर्ष कई छोटे किसानों को कृषि मशीनीकरण की सुविधा मिली, जिससे कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया। ऐसे कई किसान थे जिन्होंने पहली बार खेती के लिए मशीनों का उपयोग किया। इससे कृषि उत्पादकता में सुधार लाने और देश भर के किसानों की आय बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। टैफ़े में, हम इस क्षेत्र में अपने ग्राहकों की तेजी से बदलती प्राथमिकताओं को हमेशा महत्व देते रहे हैं और इसी प्रतिबद्धता के कारण हम इस वर्ष बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं।ङ्क भू-राजनीतिक तनावों और युद्ध से संबंधित आपूर्ति बाधाओं के कारण उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के दबावों से इनपुट लागत प्रभावित हो रहा है, पर फिर भी अपने मूलभूत सिद्धांतों की बदौलत भारतीय कृषि मजबूत बनी रही है। मशीनीकरण में निरंतर वृद्धि, प्रतिस्थापन मांग, ट्रैक्टरों और इम्प्लिमेंट्स के बढ़ते उपयोग और प्रमुख निर्यात बाजारों में धीरे-धीरे हो रहे सुधार को देखते हुए टैफ़े भविष्य के प्रदर्शनों को लेकर आशावादी है।

योगी सरकार की पहल से बदली हमीरपुर की कीर्ति की जिंदगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की योजनाएं आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहीं हैं। हमीरपुर जनपद की कीर्ति इसकी जीवंत मिसाल बनकर उभरीं हैं। एक समय अध्यापिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली कीर्ति ने जब महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तो यह उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। वर्ष 2018 में समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि समाज में खुद की एक नई पहचान भी बनाई। आज वही कीर्ति ल्लप्रेरणा कैंटीनङ्क के माध्यम से न सिर्फ खुद सशक्त हुईं हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रहीं हैं।

'प्रेरणा कैंटीनः सामूहिक प्रयास से बना 1.25 करोड़ के टर्नओवर का मॉडल

वर्ष 2025 अगस्त में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर हमीरपुर के दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में ल्लप्रेरणा कैंटीनङ्क की शुरुआत की। लगभग 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ यह प्रयास आज उनके लिए सफल उद्यम बना, जिसका टर्नओवर 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वर्तमान में

कैंटीन से 08 महिलाएं जुड़ीं हैं। हर महीने प्रत्येक महिला को लगभग 8,000 वेतन मिल जाता है। यह कैंटीन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पोषण और स्वच्छता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है जहां 332 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, दूध और भोजन बेहद किफायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षकों के लिए भी भोजन की व्यवस्था है। कीर्ति का मानना है कि स्वच्छ और पौष्टिक भोजन ही स्वस्थ समाज की नींव है, और इसी सोच के साथ वह पूरी जिम्मेदारी से इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं।कीर्ति सिंह की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं विशेषकर स्वयं सहायता समूह और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की उपयोगिता का प्रमाण है। कीर्ति ने पहले बैंक सखी के रूप में काम करते हुए अनुभव हासिल किया और अब उद्यमिता के क्षेत्र में कदम रखकर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। कीर्ति का कहना है कि योगी सरकार की इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण के लिए भी आवेदन किया है, जिससे वे अपने इस व्यवसाय को और विस्तार देना चाहतीं हैं। कीर्ति का यह सफर बताता है कि जब सरकार की योजनाएं सही हाथों तक पहुंचतीं हैं और उनमें मेहनत व संकल्प जुड़ जाता है, तो बदलाव निश्चित होता है। आज वह न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहीं हैं।

साईं स्थापना दिवस पर भक्तों ने धूमधाम से निकाली साईं पालकी शोभायात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। साईं मंदिर श्यामपुर के 17 वें वर्ष के स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में साईं भक्तों द्वारा धूमधाम से साईं पालकी को सजा कर पूरे नगर में शोभा यात्रा निकाली गई तथा कन्या भोज एवं भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

साईं बाबा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में गुरुवार को प्रातः काल 5 बजे साईं नाथ का मंगल स्नान कराने के पश्चात विधि-विधान पूर्वक सामूहिक हवन का कार्यक्रम मंदिर के पुजारी आचार्य विकास तिवारी ने मुख्य यजमान मंदिर के संस्थापक महेश सिंह एवं मीनू सिंह अर्कवंशी दिल्ली के द्वारा संपन्न कराया। इसके पश्चात साईं बाबा की पालकी को सजाकर धूमधाम से शोभा यात्रा भक्तों द्वारा निकाली गई जिसका शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता एवं माता मानदेवी देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश पाठक, कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र गुप्ता एवं समाजसेवी विशाल जायसवाल ने किया। पालकी शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं पुरुष एवं बच्चे फूल वर्षा एवं गुलाल उड़ाते हुए डीजे द्वारा बज रहे भजनों पर थिरकते एवं भजन गाते हुए चल रहे थे। भजनों में शिरडी वाले साईं बाबा आया है तेरे दर पर सवाली, शिरडी में उड़े रे गुलाल बाबा का जवाब नहींए साईं नाथ तेरे हजारों हाथ आदि भजनों से पूरे नगर में भक्ति का माहौल छा गया। शोभायात्रा में महेश गुप्ता श्यामपुर, विजय त्रिपाठी बंदीपुर, अवरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाठक एवं गौरव पाठक बड़ी बाजार, विपिन सोनी प्रबंधक-कैरियर पब्लिक स्कूल, समाजसेवी विशाल जायसवाल एवं रागिनी जायसवाल, छोटू पाल, आशीष गुप्ता, सत्यसील पांडेए सपा नेता बृजेश कुमार वर्मा उर्फ टिल्लू भैया आदि कई भक्तों ने बाबा का पूजन अर्चन एवं प्रसाद वितरण किया गया। शोभा यात्रा के पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचने पर कन्या भोज के उपरांत भंडारे का आयोजन संपन्न किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर अपना जीवन धन्य बनाया।

पालकी शोभा यात्रा को सफल बनाने में महेश सिंह अर्कवंशी, मीनू सिंह अर्कवंशी, मंदिर के व्यवस्थापक गौरव सोनी एवं सियाराम अर्कवंशी, रामकिशन, अनिल अर्कवंशी,विपिन सोनी, सत्य शील पांडे, महेश गुप्ता, धीरज सोनी, मनीष वर्मा, आकाश ओमर निक्की, राम भरोसे गौड़, सरोज अर्कवंशी, आर्यन, सम्राट सोनी, रवि सैनी, अंशु सिंह पटेल, हर्षित, धीरू अर्कवंशी, अखिलेश, अमर सिंह, भोला सैनी, रोहित पटेल सहित कई भक्तों का विशेष योगदान रहा।

हनुमान जयंती पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, रात भर गूँजते रहे भजन कीर्तन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विकास खंड के ज्ञानपुर गांव में बृहस्पतिवार को हनुमान जयंती बड़े ही भक्ति भाव और उत्साह के साथ मनाई गई! कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया! गांव के मध्य बने हनुमान जी के मंदिर को सुबह से ही विशेष साफ-सफाई के साथ बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाया गया जहां श्रद्धालुओं ने पहुंचकर हनुमान जी महाराज के दर्शन किए और सुख समृद्धि की कामना की!

मंदिर पर सभी गांव वालों के सहयोग से बहुत ही सुंदर झांकी सजाई गई! जिसमें भगवान हनुमान जी के विभिन्न स्वरूपों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया! यह झांकी गांव सहित आसपास के गांवों से भी गुजरी! झांकी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े जिससे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया! शाम होते ही कार्यक्रमों में और रौनक आ गई! मंदिर और पंडाल में भव्य सजावट के बीच रात्रि भजन कीर्तन का आयोजन किया गया! भजन मंडली के गायकों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए जिन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए! जय श्री राम और जय हनुमान के नारों से पूरा वातावरण रात भर गूँजता रहा! कार्यक्रम में महिलाओं पुरुषों और बच्चों की बड़ी भागीदारी रही! श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण और अन्य व्यवस्थाएं की गई थी जिसकी सभी ने सराहना की! कार्यक्रम आयोजक शैलेंद्र दीक्षित भोलू ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम पूरे ग्राम वासियों के सहयोग से कराया जा रहा है और हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जयंती को भव्य रूप से मनाने का प्रयास किया जा रहा है! जिसमें गांव व क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं का भरपूर सहयोग मिला! ऐसे कार्यक्रम श्रद्धा भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक है और क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं!

कार्यक्रम के इस अवसर पर पूर्व प्रधान कौशल किशोर दीक्षित मदन मिश्रा अरविंद शुक्ला अजय बाजपेई अश्वनी सिंह अखिलेश शुक्ला रामेंद्र शुक्ला कृपाल मिश्रा संदीप मिश्रा रामकिशोर दीक्षित राहुल सिंह विकास गुप्ता विक्रम सिंह बिरजू मिश्रा श्यामबाबू मिश्रा राहुल मिश्रा सुरेंद्र अर्जुन ओमप्रकाश सहित बड़ी संख्या में गांव व क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे!

20 वर्षों की सेवा के बाद एएनएम कमलेश कांती सेवानिवृत्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ सीएचसी हरियावां में भावभीनी विदाई।

हरियावाँ (हरदोई)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरियावां में गुरुवार को एएनएम कमलेश कांती के सेवानिवृत्ति उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधीक्षक डॉ० अंकुर त्रिपाठी ने की। 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत्त हुई कमलेश कांती ने लगभग 20 वर्षों तक स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया। उनके सरल स्वभाव और कार्यकुशलता की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका कार्यकाल सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

अध्यक्षता कर रहे अधीक्षक डॉ० अंकुर त्रिपाठी ने कहा कि कमलेश कांती ने अपने कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे विभाग लंबे समय तक याद रखेगा। समारोह में डॉ० कुमार सास्वत, डॉ० ईश्वर चंद्र शुक्ल, सियाशरण मिश्र, रामकिशोरी शुक्ला, अरुण शुक्ला, मुकेश शुक्ला, रंजीत सिंह, रामसजीवन, अंजुल दीक्षित, अमित मिश्रा, विकास मिश्रा, शिखर अवस्थी, अंकित मिश्रा, कृष्ण पाल अवस्थी सहित आदि लोग मौजूद रहे। सभी ने उन्हें गिफ्ट भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।

घूसखोरी में फँसे दो पुलिसकर्मी, विभाग ने किया निलंबित

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जनपद में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्ती के बीच पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घूस लेने के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है! पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई

से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है! प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली थाने में तैनात उप निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह और आरक्षी टीकम सिंह से संबंधित घूस लेने का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिस पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने संज्ञान लेते हुए ऑडियो की जांच कराई जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए! मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है! इसके साथ ही विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है! वहीं विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पुलिस की छवि को धूमिल करने वाले किसी भी कृत्य को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा! मामले की विस्तृत जाँच जारी है और दोषी पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफकठोर विभागीय और कानूनी कार्यवाही की जाएगी! इस कार्यवाही से पुलिस महकमें में जहां एक ओर खलबली मची हुई है वहीं आमजन में संतोष दिखाई दे रहा है!

पास्को एक्ट में पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बिलग्राम (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है जिसने पूरे

इलाके में सनसनी मचा दी है! पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा है! प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बसहरपुरवा गांव निवासी कसान पुत्र बाबूराम और शिवराज पुत्र जगन्नाथ पर आरोप लगाते हुए पीड़ित बालक के पिता ने तहरीर दी है कि उक्त दोनों आरोपियों ने उसके पुत्र को कुछ रुपए का लालच देकर सुनसान जगह ले गए जहां उसके साथ कुकर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम दिया! घटना के बाद शाम को जब उसका बेटा रोते कराहते घर पहुंचा और आप बीती सुनाई तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई! घटना की सूचना उसने तत्काल स्थानीय पुलिस को दी! पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की विधि कार्यवाही में जुटी है!

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मिशन शक्ति फेज 5.02 के अंतर्गत कस्बा मल्लावां में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को

जागरूक किया गया तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 108, 1098 आदि नंबरों के बारे में जानकारी दी गई तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर महिला आरक्षी ज्योति शुक्ला, महिला आरक्षी पूनम वर्मा, महिला आरक्षी मंजेश राजा, थाना मल्लावां जनपद हरदोई आदि मौजूद रहे।

हनुमान जयंती पर आयोजित हुआ भव्य हनुमान चालीसा पाठ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। कस्बे के श्री बजरंग बली मन्दिर चौहट्टा मोहिउद्दीनपुर श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव पर पूर्व सभासद अनुराग मिश्र ने हवन पूजन और हनुमान चालीसा कार्यक्रम का आयोजन किया।

गुरुवार को शाम को आचार्य रवि दीक्षित ने विधि विधान से पूजन हवन पूजन और आरती करवायी। ऐसे में हनुमान मन्दिर बादा टोला में विनय द्विवेदी ने भी हनुमान चालीसा व आरती का आयोजन किया। इस दौरान संतोष शुक्ला, अनिल मिश्र, प्रेमशील पाण्डेय, वीरेन्द्र मिश्र, गौरव मिश्रा, कसान सिंह, रावेन्द्र, संतोष मिश्र, छोटू, शिवम, दिवाकर, राजेश, रामू, नीलेश मिश्र, सरवन, कमलेश सहित तमाम लोग रहे।

आप जैसा बनना चाहते है वैसा करना शुरू करेः सुशील

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। देव संस्कृति शिक्षण संस्थान कीर्तियापुर सवाजयपुर में युवा प्रतियोगिता एवं छात्र शिक्षक संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप शिक्षाविद् सुशील कुमार मिश्रा ने छात्र शिक्षक संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप जैसा बनना चाहते हो बैसा करना शुरू करो सफलता ज़रूर मिलेगी! इस तरीक़े के कार्यक्रम का होना बहुत आवश्यक है जिससे छात्रों में आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और तार्किक सोच का देश का भविष्य व निर्माता है! इस

विकास होता है अपने भविष्य व कैरियर के प्रति स्पष्टता आती है तथा शिक्षक छात्र संवाद से बच्चों में भावात्मक रिश्ता मज़बूत होता है। भाजपा नेता डॉ० आदर्श दीपक मिश्र एडवोकेट ने बच्चों में ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि छात्र ही संवाद से बच्चों में जागर्ति का भाव उत्पन्न हुआ है! कार्यकम के दौरान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे से आलेखन, दौड़, चित्रकला, रेस लम्बी कूद प्रतियोगिता हुई जिसमें विजेता मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कृत भी किया गया! कार्यकम का आयोजन प्रधानाचार्य मोहित चौहान एवं प्रबंधक अमित चौहान ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वीर पाल सिंह, आनंद, अजीत कुमार, सिद्धांत सिंह, सतीश कुमार, अखिलेश कुशवाहा सहित कई लोग मौजूद रहे!

हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। जिले हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने का भी चलन तेजी से फैल रहा है! जिसमें थाना क्षेत्र एक गांव निवासी ने हिंदू देवताओं पर अपनी सोशल मीडिया अकाउंट से फिर आपत्तिजनक टिप्पणी की है! जिस पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए तत्काल गिरफ्तार कर लिया!

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के लोंहारा ग्राम सभा के मजरा पकरिया ऊसर निवासी राजकुमार पुत्र गुरुबख्श ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी की है! मामला पुलिस के संज्ञान में आते हैं स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर आवश्यक विधि कार्रवाई शुरू कर दी है! आरोपी को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा और कानून तोड़ने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी!

विवाद में किसान को बेरहमी से पीटा

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के गांव खसौरा गांव में खेत में पानी लगाने को लेकर हुए विवाद में एक किसान को बेरहमी से पीट दिया गया। पीड़ित रामनिवास ने गांव के ही दो लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई तहरीर में रामनिवास ने बताया कि 31 मार्च की शाम जब वह खेत में पानी लगा रहा थाए तभी गांव के रणवीर और उसके बेटे ने वहां आकर गाली.गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी.डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की है।

17 वर्षीय किशोरी हो गई लापता

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग न मिलने पर परिजनों ने पुलिस को तहरीर दीए जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि बीते 31 मार्च को दोपहर करीब एक बजे उनकी पुत्री बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसे रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में तलाशाए लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफप्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम किशोरी की तलाश में जुटी है और जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।

बाइक से गिरकर वृद्धा हुई घायल

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के खरगपुर.बड़ागांव मार्ग पर गुरुवार रात बाइक से गिरकर 60 वर्षीय राम देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह अपने बेटे रोहित के साथ जोधनपुरवा स्थित मायके से लौट रही थीं। बाबा ब्रह्मदेव पुलिया के पास अचानक ब्रेक लगने से यह हादसा हुआ। घायल महिला को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गयाए जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर शुक्रवार सुबह उन्हें घर भेज दिया गया।

युवक ने संदिग्ध परिस्थिति में खाया ज़हरीला पदार्थ

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के खसौरा गांव में गुरुवार रात 18 वर्षीय युवक चंचल ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल हरपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सीएचसी के चिकित्सक डॉ० अजीत मणि ने बताया कि युवक को समय पर प्राथमिक उपचार दिया गया, जिससे उसकी जान बच गई। शुक्रवार दोपहर तक स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया है।

नक्सल मुक्त क्षेत्रों को अब सुशासन की आवश्यकता

1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में हुए विद्रोह के बाद से, वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद अक्सर हत्याओं, मुठभेड़ों और हिंसा की खबरों के साथ सुर्खियों में बना रहा है। एक समय ऐसा था जब देश के एक चौथाई से अधिक हिस्से-पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जिसे 'रैड कॉरिडोर' कहा जाता था-में नक्सलियों का दबदबा था। जहां सुरक्षा बलों के सदस्यों, नक्सलियों और आम नागरिकों सहित हजारों लोग मारे गए या घायल हुए, वहीं इन क्षेत्रों में, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य लगभग ठप्प हो गया था। नक्सलियों ने अपनी समानांतर सरकार बना ली थी और वे सड़कों के निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास की अनुमति नहीं देते थे, ताकि सरकार और सुरक्षा बलों को दूर रखा जा सके। एक लंबी अवधि तक सरकार इस खतरे से लड़ती रही और नक्सलियों के प्रभाव को मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ तक सीमित करने में सफल रही। इस आंदोलन के खिलाफ एक निर्णायक अभियान 2006 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने घोषणा की कि माओवादी हिंसा 'आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' है। हालांकि, वर्तमान सरकार द्वारा इसे बड़ा बढ़ावा दिया गया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक देश को 'नक्सल मुक्त' बनाने की समय सीमा तय की। नक्सली हिंसा से छुटकारा पाने के अपने संकल्प में प्रभावी कदम उठाने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार को श्रेय दिया जाना चाहिए। अमित शाह ने अपनी निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले देश को 'नक्सल मुक्त' घोषित करते हुए बताया कि पिछले 3 वर्षों में 4,839 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, 706 मारे गए और 2,218 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।''2024 की शुरुआत में माओवादियों की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो में 22 सदस्य थे। आज एक भी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 'लगभग खत्म हो चुका है' और माओवादियों के खिलाफ बल प्रयोग का बचाव करते हुए कहा कि जो गोलियां चलाते हैं, उन्हें गोलियों से ही जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए 92 प्रतिशत हथियार पुलिस के शस्त्रागार से लूटे गए थे। जहां हिंसा को समाप्त करने के संकल्प के लिए सरकार को श्रेय दिया जाना चाहिए, वहीं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ संबंधित राज्यों के पुलिस बलों और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सी.ए.पी.एफ्स) जैसे सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) और सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) ने हिंसा से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि भारतीय सेना और वायुसेना भी नक्सलियों को बाहर निकालने के लिए कुछ ऑप्रेशनों में शामिल हुई। लेकिन इसका श्रेय उन अधिकारियों और श्रमिकों को भी जाता है, जो माओवादियों की धमकियों के बावजूद सड़कें बिछाने और बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगे रहे, जिसने अंततरू पासा पलट दिया और माओवादियों ने जंगलों में अपना समर्थन खो दिया। मडवी हिडमा, नंबला केशव राव, गणेश उइके, सत्यनारायण रेड्डी और रामचंद्र रेड्डी जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के मुठभेड़ों में मारे जाने और मल्लो जुला वेणुगोपाल राव, देवा बरसे और देवूजी जैसे नेताओं के आत्मसमर्पण ने माओवादियों के नेतृत्व को लगभग समाप्त कर दिया है। अब केवल दो शीर्ष नेता-मुप्पला लक्ष्मण राव (गणपति) और मिसिर बेसरा (सागर) का आत्मसमर्पण करना बाकी है। सुरक्षा बलों का मानना है कि वे जल्द ही ऐसा कर देंगे। हालांकि, सुरक्षा बलों की इस सफलता के बाद, अब नागरिक सरकार की बारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि स्थिति फिर से न बिगड़े। नक्सलवाद के पुनरुत्थान को रोकने के लिए, सरकार को प्रभावित क्षेत्रों में समावेशी विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उसे स्थानीय संस्थानों को मजबूत, कानून-व्यवस्था में सुधार और भ्रष्टाचार को दूर करना चाहिए। एक अन्य महत्वपूर्ण उपाय आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को सहायता प्रदान करना होगा, जिसमें व्यावसायिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता शामिल है। साथ ही, सरकार अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकती और उसे नक्सली गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता को बढ़ाना चाहिए।

नक्सलियों ने अपनी समानांतर सरकार बना ली थी और वे सड़कों के निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास की अनुमति नहीं देते थे, ताकि सरकार और सुरक्षा बलों को दूर रखा जा सके। एक लंबी अवधि तक सरकार इस खतरे से लड़ती रही और नक्सलियों के प्रभाव को मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ तक सीमित करने में सफल रही। इस आंदोलन के खिलाफ एक निर्णायक अभियान 2006 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने घोषणा की कि माओवादी हिंसा 'आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' है।

पचास फीसद सीट वृद्धि पर भ्रामक है कांग्रेस का विमर्श

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे। वहीं कांग्रेस का यह तर्क देना कि इससे दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों को नुकसान होगा, एक प्रकार से क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसीमन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जोकि सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है। अरे, इसका तो गठन ही जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए होता है।

वर्तमान बजट सत्र के दौरान लोकसभा की सीटों में पचास प्रतिशत वृद्धि के संभावित प्रस्ताव को लेकर देश की राजनीति में एक नया विमर्श खड़ा किया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे दक्षिण और छोटे राज्यों के खिलाफ एक साजिश के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, परंतु इस पूरे मुद्दे का विश्लेषण यह संकेत देता है कि यह विमर्श तथ्यों से अधिक आशंकाओं और राजनीतिक पूर्वाग्रहों पर आधारित है। इसे कांग्रेस की नासमझी की पराकाष्ठा कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा! सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत की संसद और विशेष रूप से लोकसभा की संरचना समय के साथ स्थिर नहीं रही है, इसमें कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 1952 में पहली लोकसभा के गठन के समय कुल सीटों की संख्या 489 थीं, 1957 में सीटों की संख्या बढ़कर 494 हो गई। 1967 के परिसीमन के बाद सीटों की संख्या बढ़कर 520 कर दी गई जोकि 1973 (31वां संविधान संशोधन) जब सीटों की संख्या में बड़ी वृद्धि की गई। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 तक सीटों को 525 से बढ़ाकर 545 (543 निर्वाचित + 2 मनोनीत) कर दिया गया। वस्तुतः कांग्रेस को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि यह वृद्धि देश की बढ़ती जनसंख्या और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखकर की गई थी। इसके बाद 42वां संविधान संशोधन (1976) के तहत परिसीमन की प्रक्रिया को वर्ष 2001 तक स्थगित कर दिया गया। बाद में 84वां संविधान संशोधन के माध्यम से इस स्थगन को 2026 तक बढ़ा दिया गया। इसका उद्देश्य था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। यही संदर्भ बताता है कि संसद की सीटों का निर्धारण एक जटिल और संतुलित प्रक्रिया है, न कि किसी एक सरकार की मनमानी का परिणाम। ऐसे में कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाना कि नरेंद्र मोदी सरकार जबरन पचास फीसद सीट वृद्धि का बिल ला रही है, तथ्यों से परे प्रतीत होता है। नए संसद भवन में लोकसभा के लिए 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जो भविष्य में होने वाली संभावित वृद्धि की ओर संकेत करती है। अब वर्तमान में 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 800+ करने के प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। जिसमें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने बयान में दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान की बात कही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की सीटों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया, परंतु उनका यह तर्क अधूरा है क्योंकि यह केवल संख्यात्मक वृद्धि को देखता है, प्रतिनिधित्व के व्यापक सिद्धांत को नहीं। वस्तुतः वे कैसे भूल सकते हैं कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का मूल आधार जनसंख्या होती है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अधिक है तब स्वाभाविक रूप से उसके प्रतिनिधियों की संख्या भी अधिक होगी। यह सिद्धांत न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अधिकांश लोकतंत्रों में लागू होता है। ऐसे में यदि उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120 होती हैं और तमिलनाडु की 39 से 59 तो यह वृद्धि अनुपातिक ही मानी जाएगी। इसके अलावा, यह भी ध्यान देने योग्य है कि प्रस्तावित वृद्धि सभी राज्यों में समान प्रतिशत (50फीसद) के आधार पर की जा रही है। इससे किसी भी राज्य के वर्तमान अनुपात में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। कांग्रेस का यह दावा कि इससे गहरे प्रभाव होंगे, अधिकतर काल्पनिक आशंकाओं पर आधारित है। मनीष तिवारी ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए परिसीमन को फ्रीज करने या नया फार्मूला खोजने की बात कही है, किंतु यह दृष्टिकोण भी व्यवहारिक नहीं लगता। यदि जनसंख्या बढ़ रही है और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को प्रभावी बनाना है, तब सीटों की संख्या बढ़ाना एक स्वाभाविक और आवश्यक कदम है। महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे। वहीं कांग्रेस का यह तर्क देना कि इससे दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों को नुकसान होगा, एक प्रकार से क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसीमन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जोकि सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है। अरे, इसका तो गठन ही जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए होता है। जिसे स्वयं राष्ट्रपति अनुच्छेद 82 के अंतर्गत करते हैं। इस संबंध में अब तक एतिहासिक संदर्भ यही बताते हैं कि संसद में परिवर्तन हमेशा व्यापक सहमति और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुए हैं। चाहे वह 1976 का संशोधन हो या 2001 का, सभी निर्णयों का उद्देश्य देश की एकता और लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखना रहा है। आज जब भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब संसद की संरचना को भी समय के अनुसार विकसित करना आवश्यक है। जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना वर्तमान भारतीय लोकतांत्रिक आवश्यकता है, निश्चित ही यह शासन की प्रभावशीलता को भी बढ़ाएगा। कुल सार रूप में यहां कहना यही है कि आज कांग्रेस का इस मुद्दे पर खड़ा किया गया विमर्श तथ्यों की बजाय राजनीतिक आशंकाओं पर आधारित है। संसद की सीटों में वृद्धि एक दीर्घकालिक और आवश्यक सुधार है, जिसे क्षेत्रीय दृष्टिकोण से नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, इसलिए जरूरी यह है कि इस विषय पर गंभीर और तथ्यात्मक चर्चा हो, न कि भ्रम और भय फैलाने वाली राजनीति। हम सतत एक मजबूत, संतुलित और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ते रहें, इसके लिए यही आवश्यक है कि देश में राजनीतिक या सामाजिक स्तर पर कोई झूठा नैरेटिव न गढ़े, जोकि इस वक्त कांग्रेस गढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

पीडीए के सहारे नेताजी से कैसे आगे निकल सकते हैं अखिलेश

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुलायम सिंह यादव का नाम हमेशा सियासत के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में याद किया जाता है, जो एक शिक्षक के साथ अच्छे पहलवान भी थे। कुश्ती के अखाड़े से निकलकर राजनीति के मैदान में उतरे मुलायम विरोधियों को धूल चटाने का हुनर रखते थे। इटावा जिले के छोटे से गांव सैफई से निकलकर मुलायम ने यूपी और दिल्ली की राजनीति तक में अपना दबदबा बनाए रखा था, लेकिन उनकी सियासत को संभालने वाले उनके पुत्र अखिलेश यादव नेताजी की सियासत के करीब भी भटकते हुए नजर नहीं आते हैं। सियासत में 15 साल का लंबा सफर तय करने के बाद भी अपने दमखम पर समाजवादी पार्टी को कोई बड़ी विजय का स्वाद नहीं चखा पाए हैं। अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी दो विधानसभा और तीन लोकसभा के चुनाव लड़ चुकी है, लेकिन कुछ हद तक 2024 के लोकसभा चुनाव के अलावा किसी भी चुनाव में अखिलेश की हनक-धमक नहीं सुनाई दी, जबकि सपा को मजबूत करने के लिए अखिलेश ने कांग्रेस और मायावती तक से समझौता करने में परहेज नहीं किया, जिनका मुलायम सिंह से छत्तीस का आंकड़ा रहता था। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों-यादव और मुस्लिम वोटरों का एक ऐसा गठजोड़ तैयार कर रखा था, जिसको तोड़ना किसी भी विरोधी के लिए संभव नहीं रहा। 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी की नींव रखी, तब से लेकर 2022 तक, जब उनका निधन हुआ, मुलायम ने तीन बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री पद संभाला। तीन बार सीएम बनने के बाद 2012 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। मुलायम की राजनीति हमेशा जमीन से जुड़ी रही गांव-गांव घूमना, कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनना, और जरूरत पड़ने पर गठबंधन की चाल चलकर सत्ता तक पहुंचना। लेकिन उनके बाद बेटे अखिलेश यादव ने जब पार्टी की कमान थामी, तो सवाल उठा कि क्या वे पिता की उस छाया से बाहर निकलकर अपनी पहचान बना पाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस सवाल का जवाब कुछ हद तक दे दिया, लेकिन गहराई में उतरकर देखें तो तस्वीर और भी जटिल है। नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक पारी की शुरुआत जनता दल से हुई, लेकिन 1992 में अलग पार्टी बनाकर उन्होंने पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को अपना आधार बनाया। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को 16 सीटें मिलीं, वोट शेयर करीब 20 प्रतिशत। फिर 1998 में 20 सीटें और 1999 में 26 सीटें। 2004 में मुलायम के नेतृत्व में पार्टी ने अपना रिकॉर्ड बनाया 35 सीटें, वोट शेयर 26.74 प्रतिशत। उस वक्त सपा अकेले लड़ी थी, गठबंधन का सहारा कम था। मुलायम की ताकत उनके व्यक्तिगत कद में थी। वे खुद रैलियों में उतरकर भीड़ को संबोधित करते, पहलवानी वाली भाषा में विरोधियों को ललकारते। उनकी सरकारों में यादव-मुस्लिम समीकरण मजबूत रहा, लेकिन कभी-कभी आंतरिक कलह भी सामने आई। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को 224 सीटें मिलीं और मुलायम ने बेटे अखिलेश को मुख्यमंत्री बना दिया। यह फैसला विरासत के हस्तांतरण का था, लेकिन उसी समय परिवार में दरारें भी दिखने लगीं। अखिलेश यादव 2012 में मुख्यमंत्री बने, तो उनकी छवि युवा, पढ़े-लिखे और विकास-उन्मुख नेता की बनी। लैपटॉप बांटने, सड़कें बनाने और बिजली व्यवस्था सुधारने जैसे कामों से वे ल्लैपटॉप सीएमङ्क कहलाए। लेकिन 2017 में सपा को भारी झटका लगा, सिर्फ 47 सीटें बचीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में तो पार्टी पांच सीटों पर सिमट गई, वोट शेयर गिरकर 18 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया। मुलायम के निधन के बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश अकेले मैदान में उतरे। पिता का नाम अब भी ब्रांड था, लेकिन अखिलेश को खुद को साबित करना था। उन्होंने पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक का नारा दिया, बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर हमला बोला। 2024 आया और अखिलेश ने वो कर दिखाया, जो पिता के समय में भी नहीं हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीत लीं। यह मुलायम के 2004 के 35 सीटों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला प्रदर्शन था। वोट शेयर बढ़कर 33.59 प्रतिशत हो गया पार्टी के 32 साल के इतिहास में सबसे ऊंचा आंकड़ा। 2019 की तुलना में वोट शेयर में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को सिर्फ छह सीटें मिलीं, जबकि सपा ने 62 सीटों पर लड़कर बहुमत से ज्यादा प्रदर्शन किया। अखिलेश खुद कन्नौज से जीते, डिंपल यादव मैनपुरी से, और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी जीत हासिल की। लेकिन इस बार यादव उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ पांच रखी गई, जो मुलायम के समय में असंभव लगता था। अखिलेश ने मुस्लिम-यादव के पारंपरिक एमवाई समीकरण से आगे बढ़कर पीडीए को व्यापक आधार दिया। ब्राह्मण, क्षत्रिय और अन्य पिछड़ी जातियों का भी समर्थन मिला, जिससे सपा यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई। अब 2027 में अखिलेश के पीडीए की परीक्षा होनी है। खैर, लाख टके का सवाल यही है कि अखिलेश की राजनीति नेताजी मुलायम सिंह की राजनीति से कितना भिन्न भी थी, तो कहा जा सकता है कि 2024 तक अखिलेश को मुलायम सिंह जैसी कामयाबी नहीं मिल रही थी। दरअसल, मुलायम अक्सर खुद को केंद्र में रखते थे। 2004 में सपा ने यूपीए का साथ दिया था, फिर भी सीटें 35 ही रहीं। मगर अखिलेश ने 2024 में गठबंधन का फायदा उठाया, अपनी रणनीति से सीटें बढ़ाईं। उन्होंने टिकट बंटवारे में यादवों को सीमित रखकर संदेश दिया कि पार्टी अब एक जाति विशेष तक नहीं सिमटी। सपा के 86 प्रतिशत सांसद पिछड़े, दलित और मुस्लिम वर्ग से आए, जो पीडीए फॉर्मूले की सफलता दिखाता है। मुलायम के समय में पार्टी की सरकार होने पर भी इतनी सीटें लोकसभा में नहीं मिली थीं। अखिलेश ने विरोध में रहते हुए रिकॉर्ड बनाया। उनकी रैलियां युवाओं से भरी रहती हैं, सोशल मीडिया का इस्तेमाल वे बेहतर तरीके से करते हैं। पिता की तरह वे भी सड़क पर उतरकर जनता से जुड़ते हैं, लेकिन भाषा ज्यादा संयमित और मुद्दों पर केंद्रित रखते हैं। फिर भी गहराई में चुनौतियां बाकी हैं। मुलायम का व्यक्तिगत कद इतना बड़ा था कि वे परिवार की कलह को भी अपने अनुभव से संभाल लेते थे। 2016-17 में जब अखिलेश और चाचा शिवपाल के बीच तनाव बढ़ा, मुलायम ने खुद बीच में आकर मामला सुलझाने की कोशिश की। अखिलेश को अब बिना पिता की उस छाया के काम करना पड़ रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव करीब हैं, जहां सपा को सत्ता हासिल करने का सपना है। यादव-मुस्लिम वोट बैंक में कभी-कभी बिखराव की खबरें आती हैं। अखिलेश ने 2024 में यादव उम्मीदवार कम रखे, जो बहुलतावादी छवि देता है, लेकिन कोर वोटर नाराज भी हो सकता है। मुलायम ने कभी पार्टी को एक परिवार की तरह चलाया, अखिलेश को अब संगठन को और मजबूत करना है। अखिलेश की राजनीति मुलायम से ज्यादा आधुनिक लगती है। वे विकास के एजेंडे को पुरानी समाजवादी विचारधारा के साथ जोड़ते हैं। 2012-17 में मुख्यमंत्री रहते उन्होंने युवाओं को आकर्षित किया, अब उसी को आगे बढ़ा रहे हैं। 2025-26 में भी अखिलेश 2027 के लिए तैयारी कर रहे हैं महिलाओं के लिए आर्थिक मदद, किसानों के लिए बेहतर मुआवजा, और सामाजिक न्याय के मुद्दे। मुलायम की ताकत मसल और जमीन से जुड़ाव में थी, अखिलेश की रणनीति में संगठन और समीकरण बनाने की कला है। 2024 के नतीजे बताते हैं कि उन्होंने पार्टी को पुनर्जीवित किया है। सपा अब देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। लेकिन सियासी सफर लंबा है। मुलायम ने सपा को जन्म दिया, अखिलेश को उसे नई ऊंचाई देनी है। दोनों के बीच अंतर साफ है। मुलायम की राजनीति में ल्लधोबी पछाड़ङ्क जैसी चालें थीं, अखिलेश ने पीडीए दांव से विरोधियों को चौंकाया। पिता की विरासत में भावनात्मक जुड़ाव था, बेटे की में युवा ऊर्जा और आधुनिक रणनीति। फिर भी अखिलेश को मुलायम की तरह जनता के बीच गहरा विश्वास कमाना है। साइकिल का पहिया घूम रहा है, लेकिन इसे और तेज गति देना अखिलेश की चुनौती है। उत्तर प्रदेश की राजनीति अब देख रही है कि यह नया अध्याय कितना मजबूत और दूर तक जाएगा। मुलायम की छाया अब भी सैफई से लखनऊ तक महसूस होती है, लेकिन अखिलेश ने साबित कर दिया कि वे अपनी रोशनी भी बना सकते हैं।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना–सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है।

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है। पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं। आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ। ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। ल्लस्वाइप संस्कृतिङ्क ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

विद्यालय में स्कूल चलो अभियान व वार्षिकोत्सव 'उड़ान' का आयोजन

- रैली निकालकर बच्चों ने शिक्षा का संदेश दिया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखी प्रतिभा की झलक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नवीन शैक्षणिक सत्र के तहत चल रहे स्कूल चलो अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत ब्लॉक सिकंदरपुर कर्ण के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा (कंपोजिट) में रैली एवं वार्षिकोत्सव 'उड़ान' का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने रैली निकालकर शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया, वहीं वर्षभर की उपलब्धियों का जश्न भी मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सब इंस्पेक्टर एवं पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा, ग्राम प्रधान अनिल कुमार तथा एसएमसी अध्यक्ष विनोद कुमार ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कक्षा 7 की छात्रा रितिका ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि छात्राओं सरोजिनी और राधिका ने अतिथियों का रोली टीका लगाकर स्वागत किया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने 'टन-टन-टन घंटी बजी, स्कूल तुमको पुकारे' गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कक्षा 4 के छात्र गगन ने संस्कृत में गणेश वंदना, वहीं सरोजिनी ने दोहे का वाचन कर सराहना बटोरी। कक्षा 8 की छात्रा पुष्पा ने विद्यालय की विशेषताओं को अंग्रेजी में प्रस्तुत किया।

विद्यालय की शिक्षिका डॉ. रचना सिंह ने बताया कि कक्षा 8 की छात्राएं पुष्पा, पायल और अंशिका राष्ट्रीय आविष्कार अभियान प्रतियोगिता की विजेता रही हैं। साथ ही पुष्पा ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण कर चार वर्षों तक एक हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है।

कार्यक्रम में कक्षा 1 से 8 तक प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कक्षा 3 के बच्चों ने 'मत काटो मुझे' प्रस्तुति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, जबकि कक्षा 8 के छात्रों ने 'कभी अलविदा न कहना' पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभी को भावुक कर दिया।

ऑलराउंडर का पुरस्कार पायल, डायमंड ऑफ स्कूल का पुरस्कार पुष्पा, बेस्ट परफॉर्मर का पुरस्कार सविता और मोस्ट डिसिप्लिन्ड का पुरस्कार अंशराम को प्रदान किया गया। वहीं सुपर मॉम अवॉर्ड गुड़िया, राधा, रेखा और सुशीला को तथा बच्चों को नियमित विद्यालय पहुंचाने के लिए लालता को बेस्ट दादाजी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि अनूप मिश्रा ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अभिभावकों से विद्यालय को सहयोग देने की अपील की। ग्राम प्रधान व एसएमसी अध्यक्ष ने भी विद्यालय स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर इंचार्ज शिक्षिका किरन अग्निहोत्री, सहायक शिक्षिकाएं रेखा सिंह, शोभना मिश्रा, अंकिता अवस्थी, अनीता निषाद, कहकशां खातून सहित शिक्षक रवि द्विवेदी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

खुशी और उपासना का राज्य स्तरीय ट्रायल के लिए चयन, जिले का बढ़ाया मान

- जनपद व मंडल में प्रथम-द्वितीय स्थान हासिल कर बनाया स्थान, डीएम ने दी बधाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद की छात्राओं खुशी और उपासना ने एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय ट्रायल के लिए चयन सुनिश्चित किया है। दोनों छात्राएं विकासखंड औरास के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की हैं और जनपद से एथलेटिक्स वर्ग में चयनित होने वाली ये दो ही बालिकाएं हैं। 26 मार्च के जनपद स्तरीय व 30 मार्च के मंडल स्तरीय ट्रायल में खुशी ने प्रथम तथा उपासना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी गौरांग राठी ने उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं।

बीते तीन वर्षों में दोनों बालिकाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सैकड़ों पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की है। उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा पिछले छह वर्षों से ब्लॉक चैंपियन रहा है और खेलों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में बच्चों को शिक्षा के साथ खेलों में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। विद्यालय में खेलों के उच्च स्तर को देखते हुए खेल मैदान सहित अन्य प्रोजेक्ट स्वीकृत हैं। बच्चियों की इस उपलब्धि पर बीएसए शैलेश पांडे, एसआरजी अखिलेश शुक्ल, डीसी एलबी रुचि मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने खुशी जताई।

दोनों छात्राएं शनिवार को राज्य स्तरीय ट्रायल के लिए बनारस रवाना होंगी। उनकी सुरक्षित यात्रा व प्रतिभाग सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, विद्या सागर, खेल शिक्षक गौहर व एक महिला शिक्षिका की ड्यूटी लगाई गई है। औरास बीईओ संजय शुक्ल ने दोनों बच्चियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

वृद्धाश्रम ओस में अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत आयोजित हुआ योग शिविर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत वृद्धाश्रम, ओसा में बुजुर्गों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु योग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजना के तहत समाज कल्याण विभाग के निर्देशन में पूर्वांचल सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा संपन्न कराया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों को जोड़ों के दर्द, गठिया, साइटिका एवं उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों से राहत दिलाना रहा। इसके साथ ही योग के माध्यम से मानसिक तनाव को कम करने, बेहतर नींद लाने तथा समग्र स्वास्थ्य में सुधार पर विशेष जोर दिया गया।

योग प्रशिक्षक संतोष कुमार ने बताया कि नियमित योग अभ्यास से जोड़ों की जकड़न में कमी आती है, शरीर में लचीलापन बढ़ता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे शरीर का संतुलन एवं स्थिरता भी बेहतर होती है।

इस अवसर पर वृद्धाश्रम प्रबंधक आलोक राय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छह घंटे की बिजली कटौती से शुक्लागंज बेहाल, गर्मी में बिलबिलाए लोग

शुक्लागंज। भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को शुक्लागंज और आसपास के ग्रामीण इलाकों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कुंदन रोड स्थित 132 केवी सब-स्टेशन में नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के चलते दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक करीब छह घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे लाखों उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।बिजली विभाग द्वारा सब-स्टेशन की क्षमता वृद्धि के लिए 40 केवी का नया ट्रांसफार्मर रखने का कार्य किया जा रहा था। दोपहर में बिजली कटते ही लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई। उमस भरी गर्मी में पंखे-कूलर बंद होने से लोग परेशान हो उठे। उपभोक्ताओं ने विभाग के टोल-फ्री नंबर और अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर नाराजगी बढ़ती रही। शाम तक घरों के इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे पेयजल का संकट गहरा गया।

मलहन पुरवा अग्निकांड: कई घर जलकर राख

अन्नू टंडन ने पहुंचकर बांटी राहत सामग्री

- पीड़ित परिवारों से मिलकर जताई संवेदना, हर संभव मदद का दिया भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। बांगरमऊ तहसील के ग्राम मलहन पुरवा में हुए भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों को गहरे संकट में डाल दिया। इस दर्दनाक घटना में अनेक घर जलकर राख हो गए, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने जीवनयापन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव अन्नू टंडन मौके पर पहुंचीं और पीड़ित परिवारों का हाल जाना। उन्होंने प्रभावित लोगों को अनाज, कपड़े, बर्तन, तिरपाल सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित कर राहत पहुंचाई, ताकि वे अपने जीवन को दोबारा व्यवस्थित कर सकें।

पीड़ितों से बातचीत के दौरान अन्नू टंडन ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में सभी लोग उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह आपदा भले ही बड़ी है, लेकिन उनकी ओर से हरसंभव सहायता निरंतर जारी रहेगी।

राहत सामग्री प्राप्त करने वाले पीड़ितों में नन्हीं देवी, कल्लू, सिपाहीलाल, घासीराम, त्रिलोकी, लालू, रंजीत, पुष्पा सहित अन्य लोगों ने बताया कि अन्नू टंडन हमेशा मदद के लिए आगे रहती हैं और इस संकट की घड़ी में स्वयं पहुंचकर सहयोग किया। राहत वितरण के दौरान राधेलाल निषाद, कुलदीप निषाद, विजय निषाद, अनुरुद्ध सिंह, श्रवण यादव, विजय द्विवेदी एडवोकेट, अमित यादव, सौरभ गुप्ता, अनूप मेहरोत्रा, विवेक शुक्ला, संजय निगम समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

गिरजाघरों में हुईं विशेष प्रार्थना सभाएं प्रभु यीशु के सात संदेश सुनाए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गुड फ्राइडे पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक सेंट जार्ज और सेंट पाल चर्च में विशेष प्रार्थना सभाएं हुईं। मसीही समुदाय के लोग यह दिन प्रभु यीशु को क्रूस पर चढ़ाने की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाते हैं। विशेष प्रार्थना सभा में ईसाई समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। मुल्क के अमन चैन की कामना की गई। प्रभु यीशु के सात संदेश सुनाए गए। जग को मानवता, प्रेम, दया, करुणा और शांति का संदेश देने वाले प्रभु यीशु को सूली पर लटकाए जाने की याद में शुक्रवार को शहर के आवास विकास स्थित ऐतिहासिक सेंट जार्ज और रोडवेज बस स्टैंड के सामने स्थित सेंट पाल गिरिजाघरों में अलग-अलग समय पर गुड फ्राइडे पर मसीही समुदाय के लोगों ने सामूहिक प्रार्थना सभाओं में उनको नमन किया। इस दौरान प्रभु यीशु के सात वचनों को याद किया गया। साथ ही उनके मानवता-प्रेम के संदेशों को आत्मसात कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया। कभी इसी दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ा दिया गया था। चर्च के मुख्य पादरी अनुपम जान ने प्रभु यीशु के सात वचनों को रेखांकित किया। पास्टर एल्फ्रेड रस्किन कहा कि कि प्रभु यीशु मसीह को जब सूली पर चढ़ाया गया तो सबसे पहले उन्होंने कहा कि हे पिता इन्हें क्षमा करना, क्योंकि ये नहीं जानते कि कर क्या रहे हैं। प्रार्थना सभा में प्रभु यीशु के सातों वचनों को एक-एक कर स्मरण कराया गया। प्रार्थना सभा के बाद मसीही भजनों की प्रस्तुति हुई। एस्तर रस्किन और अल्बर्ट रस्किन ने गीत के माध्यम से प्रभु ईशू की प्रार्थना की। पास्टर जितेंद्र डेनियल ने प्रभु यीशु के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य पादरी ने अनुपम जॉन बताया कि रविवार को 9.30 बजे ईस्टर पर्व की आराधना होगी।

हिंदी पत्रकारिता ने भाषा, समाज और लोकतंत्र को दी सशक्त अभिव्यक्ति : कुलपति

कानपुर। हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की यात्रा भाषा, समाज और लोकतंत्र की सशक्त अभिव्यक्ति रही है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता के दो शताब्दियों के उपलक्ष्य में 11-12 अप्रैल को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। जिसमें देश-विदेश के विद्वान, शोधार्थी और पत्रकार भाग लेंगे। यह बातें शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर विनय कुमार पाठक ने कहीं। यह संगोष्ठी भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसमें लगभग 200 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की सम्भावना है, जबकि 100 से ज्यादा शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में हिंदी पत्रकारिता के 'उदंत मार्तंड' से लेकर एआई युग तक के विकास, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी।

154 वर्षों में पहली बार भव्य रामजन्मोत्सव का आयोजन

- रामलीला कमेटी की पहल, 4 अप्रैल से संगीतमय सुंदरकांड, भंडारा व फूलों की होली के साथ होगा शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शहर में इस वर्ष रामलीला कमेटी द्वारा एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 154 वर्षों में पहली बार भव्य रामजन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शहर के रामलीला मैदान में जहां पिछले डेढ़ शताब्दी से निरंतर भव्य रामलीला का मंचन होता आ रहा है, वहीं अब उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह विशेष आयोजन किया जा रहा है।

रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी ने प्रेस वार्ता के दौरान आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि श्री राम जन्मोत्सव का शुभारंभ 4 अप्रैल को दोपहर 3 बजे भंडारे के साथ किया जाएगा। इसके पश्चात संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली का भी भव्य आयोजन किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित इस भव्य रामजन्मोत्सव को लेकर शहरवासियों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्णिमा विद्या मंदिर में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

शुक्लागंज। देवारा कलां स्थित पूर्णिमा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को वार्षिक परीक्षा फल घोषित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के चेहरे परिणाम जानने की उत्सुकता और खुशी से खिले नजर आए। समारोह के दौरान विद्यालय के संचालक राजेन्द्र मिश्रा, प्रधानाचार्य रविशंकर द्विवेदी और सहप्रधानाध्यापिका स्मृति अवस्थी ने संयुक्त रूप से मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर नगर पालिका का अभियान तेज

शुक्लागंज। नगर पालिका परिषद गंगाघाट ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय और अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर वार्ड संख्या तीन, इंदिरा नगर में वृहद सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सफाई कर्मियों की टीम ने गलियों में सघन सफाई करते हुए कचरा हटाया। जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालियों की सफाई कर सिल्ट हटाई गई। मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव किया गया और सड़कों के किनारे चूना डाला गया। इसके साथ ही शाम के समय विभिन्न वार्डों में फागिंग कराई गई, ताकि मच्छर जनित रोगों के खतरे को कम किया जा सके।

कक्षा 9 की छात्रा संदिग्ध हालात में लापता, परिजनों ने युवक पर लगाया भगाने का आरोप

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से कक्षा 9 में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों के अनुसार किशोरी घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और करीब 20 हजार रुपये भी अपने साथ ले गई है, जिससे घटना को लेकर परिवार में चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में किशोरी के भाई ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि शमशाद पुत्र जमाल नामक युवक उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। साथ ही प्रियांशु नाम के एक अन्य युवक पर भी इस घटना में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट पंजीकृत कर ली गई है और पुलिस टीमें किशोरी की बरामदगी के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही हैं। जल्द ही पूरे प्रकरण का खुलासा किया जाएगा।

पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। पाक्सो एक्ट के वांछित एक अभियुक्त को थाना एएचटी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनन्द कुमार पाण्डेय ने बताया कि कोतवाली में दर्ज पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त करन साहनी उर्फ करन शाह पुत्र अशोक साहनी को मुखबिर की सूचना पर देवरिया-सलेमपुर रोड स्थित जिला कारागार के पास से गिरफ्तार किया गया है। उक्त मामले में 5 मार्च 2025 को वादी ने आरोप लगाया था कि अभियुक्त उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। इस पर थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच एएचटी थाना द्वारा की जा रही थी। बाद में 24 दिसम्बर 2025 को पुलिस ने पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया था।

कुशीनगर में आयोजित बौद्ध कॉन्क्लेव से 3,000 करोड़ निवेश की संभावना

- तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में 2,300 प्रतिनिधि, 300 विदेशी मेहमान शामिल हुए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुशीनगर। कुशीनगर में आयोजित इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 का समापन बड़े स्तर पर भागीदारी और निवेश की मजबूत संभावनाओं के साथ संपन्न हुआ। तीन दिन तक चले इस आयोजन ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया गया।

भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में 2,300 से अधिक श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल हुए। इनमें 2,000 से ज्यादा भिक्षु, विद्वान, नीति-निर्माता और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ थे, जबकि 300 से अधिक विदेशी मेहमान थाईलैंड, जापान, म्यांमार, भूटान और नेपाल जैसे देशों से पहुंचे। कॉन्क्लेव के दौरान पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं सामने आईं। होटल और रिजॉर्ट बनाने वाली कंपनियों, रियल एस्टेट डेवलपर्स, बायो-सीएनजी और फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योगों ने कुशीनगर में निवेश को लेकर रुचि दिखाई। यहां दो नए टाउनशिप विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई, जिससे आने वाले समय में शहर के विकास को नई गति मिल सकती है। कॉन्क्लेव में इस बात पर भी जोर दिया गया कि बौद्ध पर्यटन को सिर्फ तीर्थयात्रा तक सीमित न रखकर इसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, स्थानीय कारोबार और सतत विकास से जोड़ा जाए। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की बेहतर सुविधाओं और कनेक्टिविटी को भी यहां प्रमुखता से पेश किया गया, जिससे विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कुशीनगर बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों और निवेशकों की भागीदारी यह दर्शाती है कि कुशीनगर अब आस्था के साथ-साथ निवेश का भी आकर्षक गंतव्य बन रहा है। मंत्री ने बताया कि, इस आयोजन से करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं सामने आई हैं, जिससे पर्यटन, होटल, परिवहन और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी आएगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार इन निवेश प्रस्तावों को शीघ्र जमीन पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि कुशीनगर के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक कार्य विभाग के अमृत अभिजात ने बताया कि, उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट लगातार मजबूत हो रहा है। 2025 में प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध स्थलों पर 82 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचे, जो इस बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है।

बसुही नदी पर नया पुल तैयार, डीएम ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र में बसुही नदी पर निर्मित नया पुल अब पूरी तरह तैयार हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने इसका आकस्मिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस पुल के शुरू होने से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है।यह पुल नगेसरा और पुरेल्ला गांव के मध्य नगेसरा घाट पर बसुही नदी पर बनाया गया है। परियोजना के अंतर्गत मुख्य सेतु के साथ पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग और आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य भी शामिल हैं। पुल की कुल लंबाई 71.480 मीटर है, जबकि इसकी लागत लगभग 1130 लाख रुपये बताई गई है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिले में चल रही सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा रहा है। इसी क्रम में इस पुल निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाती रही, जिससे इसे समय पर पूर्ण किया जा सका। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बरसात के मौसम में इस क्षेत्र के ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पुल बनने से आवागमन सुगम हो जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंचने में भी आसानी होगी।इस पुल का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा कराया गया है। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। स्थानीय ग्रामीणों ने पुल निर्माण को लेकर खुशी जताई है और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

ऐतिहासिक मेला चैती के मंच पर संगीतमय कार्यक्रम ने बांधा समां, श्रोताओं ने सराहा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी गोला के ऐतिहासिक मेला चैती के छठवें दिवस सांस्कृतिक मंच पर आयोजित संगीतमय कार्यक्रम ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुज खरे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री खीरी अनुराग मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राजेश दीक्षित एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं गीत-संगीत ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर श्रोता देर तक झूमते रहे और तालियों की गूंज से पूरा पंडाल गुंजायमान हो उठा। विशिष्ट अतिथियों के रूप में टीवीएस गोला, हीरो मोटर्स सिकन्द्राबाद के ऑनर एवं समाजसेवी दिनेश मिश्रा,

एडवोकेट सतेन्द्र सिंह, समाजसेवी वारिस सिद्दीकी, प्रधानाचार्य प्रकाशदीप शिक्षा निकेतन प्रकाश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष हिन्दू युवा वाहिनी रत्ना अवस्थी, असिस्टेंट गवर्नर रोटरी क्लब डॉ. योगेश कनौजिया, प्रधानाचार्य सेंट जोसेफ संजय अग्निहोत्री एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' मंच पर मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' ने सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा मेला आयोजन में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि अनुराग मिश्रा ने अपने

संबोधन में कहा कि ऐतिहासिक मेला चैती को भव्य और आकर्षक बनाने में नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' द्वारा सराहनीय प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेले की सजावट के साथ-साथ सांस्कृतिक मंच को भी विविधता और आकर्षण से भरपूर बनाया गया है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ श्रोता उपस्थित रहे और सभी ने कलाकारों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया।

04 अप्रैल 2026 को मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं 7 बजे से प्रस्तुत किया जाएगा।

चैती मेले में रोक के बावजूद फर्राटा भर रहे बाइक सवारों के काटे गए चालान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ऐतिहासिक चैती मेले में भारी भीड़-भाड़ के बीच पुलिस की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए मेले में सख्ती बरती जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। मेले में सुरक्षा की दृष्टि से 36 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस विशेष रूप से अश्लील हरकत करने वालों और बिना अनुमति बाइक चलाने वालों पर कड़ी नजर रखे हुए है।

इसी क्रम में मेला क्षेत्र में गश्त के दौरान क्राइम इंस्पेक्टर एवं मेला प्रभारी संतोष कुमार सिंह तथा पुलिस लाइन से आए पूर्व चैती मेला प्रभारी इंस्पेक्टर रविंद्र पांडेय ने सख्त कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से

अधिक मोटरसाइकिलों के चालान काटे। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि कोई भी व्यक्ति दोबारा मेले में बाइक से घूमता पाया गया तो वाहन को सीज कर दिया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से मेले में बाइक लेकर घूमने वालों में हड़कंप और दहशत का माहौल देखा गया। मेला प्रभारी संतोष कुमार सिंह एवं पूर्व मेला प्रभारी इंस्पेक्टर रविंद्र पांडेय ने स्पष्ट कहा कि मेले में आए श्रद्धालुओं और दर्शकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेला चैती में बिछड़े दो मासूम बच्चों को पुलिस ने परिवार से मिलाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में आयोजित ऐतिहासिक मेला चैती में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब दो मासूम बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ गए। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना गोला पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने बिना देर किए सक्रियता दिखाते हुए बच्चों की तलाश शुरू कर दी। बिछड़े बच्चों में आक्रति मिश्र (पुत्र अशोक मिश्र, निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद, थाना हैदराबाद, उम्र लगभग 3 वर्ष) तथा इलमा (पुत्री मोमिन, निवासी गोला खीरी, उम्र लगभग 5 वर्ष) शामिल थे। सूचना मिलते ही मेला प्रभारी क्राइम इंस्पेक्टर संतोष कुमार, पुलिस लाइन से विशेष रूप से पहुंचे पूर्व मेला चैती प्रभारी रविंद्र पांडे, महिला सिपाही आंवना जायसवाल, सिपाही पवन कुमार वर्मा तथा सुग्रीव गंगवार की टीम ने तत्काल खोजबीन अभियान शुरू किया।

पुलिस टीम की मुस्तैदी और तत्परता का ही परिणाम रहा कि कुछ ही समय में दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जिससे परिवार के चेहरों पर खुशी लौट आई।

इस सराहनीय कार्य के बाद मेले में मौजूद श्रद्धालुओं और दर्शकों ने गोला पुलिस सहित बाहर से आए पुलिसकर्मियों की जमकर प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि पुलिस की सतर्कता और सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया।

चैती मेले में 'जल परी शो' पर उठे सवाल

भीड़ में महिलाओं से छेड़खानी के आरोप, सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर चिंता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में चल रहे ऐतिहासिक चैती मेले में दूर-दराज से लाखों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुँच रहे हैं। इस वर्ष मेले में आयोजित 'जल परी शो' को लेकर महिला सुरक्षा के दावे हवा-हवाई साबित होते नजर आ रहे हैं, जिस पर आमजन ने दबी जुबान में गंभीर सवाल खड़े किए हैं। एक ओर जहाँ युवा वर्ग इस शो को लेकर खासा उत्साहित नजर आ रहा है, वहीं दूसरी ओर इसके आयोजन में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व सुविधाओं की अनदेखी साफ दिखाई दे रही है।

महज पाँच मिनट के इस शो को देखने के लिए उमड़ रही अनियंत्रित भीड़ के बीच महिलाओं, बच्चियों और छोटे बच्चों को लगातार धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ रहा है। मेले में चर्चा का केंद्र बने 'जल परी शो' में एक महिला कलाकार जल परी की वेशभूषा में

पानी के टैंक के अंदर फिल्मी गीतों पर आकर्षक प्रस्तुति देती है। इस दृश्य को देखने के लिए बच्चे, युवा, महिलाएँ और पुरुष बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं। लेकिन शो की बेहद कम अवधि होने के बावजूद दर्शकों के लिए किसी प्रकार की सुव्यवस्थित व्यवस्था नहीं की गई है।

शो स्थल पर महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से कोई बैरिकेडिंग या बैठने की व्यवस्था नहीं है। परिणामस्वरूप सभी दर्शक एक ही स्थान पर खड़े होकर शो देखने को मजबूर हैं, जिससे भारी भीड़ और अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है। छोटे कद की महिलाएँ और बच्चे अक्सर शो देख ही नहीं पाते, जिससे उनमें निराशा देखने को मिल रही है।

भीड़ का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा महिलाओं से छेड़खानी किए जाने की बातें भी सामने आ रही हैं। इन घटनाओं ने महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शो स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद नहीं रहता, खासकर महिला पुलिसकर्मियों की कमी साफ दिखाई देती है। मेले में परिवार के साथ आई महिलाओं ने मेला प्रशासन से मांग की है कि जल परी शो के लिए महिलाओं और बच्चों हेतु अलग दीर्घा (सीटिंग एरिया) बनाई जाए। साथ ही, शो के आसपास पर्याप्त महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना पर तत्काल रोक लगाई जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों से आए दर्शकों ने शो के लिए लिए जा रहे शुल्क पर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि भारी-भरकम शुल्क लेने के बावजूद बैठने या सुरक्षित तरीके से शो देखने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है।

लोगों का आरोप है कि मेला प्रशासन केवल राजस्व पर ध्यान दे रहा है, जबकि दर्शकों की सुरक्षा और सुविधाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। इन तमाम अव्यवस्थाओं के चलते प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि क्या किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है, या फिर समय रहते इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। फिलहाल, मेले में उमड़ रही भारी भीड़ के बीच 'जल परी शो' आकर्षण का केंद्र तो बना हुआ है, लेकिन इसके साथ जुड़ी अव्यवस्थाएँ और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं।

बजाज चीनी मिल गेट पर भूख हड़ताल

- बेटे की मौत के 5 साल बाद भी नौकरी के लिए भटक रहा परिवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। तहसील क्षेत्र स्थित बजाज चीनी मिल एक बार फिर विवादों में घिर गई है। वर्ष 2021 में ड्यूटी के दौरान करंट लगने से जान गंवाने वाले विद्युतकर्मी मनीष कुमार के परिजनों ने मिल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लिखित समझौते के बावजूद मृतक आश्रित को स्थायी नौकरी और जॉइनिंग लेटर न मिलने से नाराज परिवार 1 अप्रैल से मिल गेट पर बेमियादी धरना और भूख हड़ताल पर बैठा है। परिजनों के अनुसार, 24 मार्च 2021 को मिल में कार्यरत मनीष कुमार (पुत्र प्रेमसागर) की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई थी। घटना के बाद मिल प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच एक लिखित समझौता हुआ था, जिसमें मृतक के आश्रित को स्थायी नौकरी देने पर सहमति बनी थी।

मृतक के छोटे भाई अजीत कुमार का कहना है कि वह पिछले कई वर्षों से मिल के हाउस इंजीनियरिंग विभाग में खलासी के रूप में कार्य कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न तो स्थायी ग्रेड दिया गया है और न ही जॉइनिंग लेटर जारी किया गया है। परिवार का आरोप है कि उनके साथ लगातार धोखा किया जा रहा है।

मृतक की माँ गायत्री देवी अब भूख हड़ताल पर बैठ गई हैं। उन्होंने पहले ही प्रशासन को चेतावनी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर अब पूरा परिवार मिल गेट पर डटा हुआ है। उनकी मुख्य मांग है कि अजीत कुमार को तत्काल स्थायी नियुक्ति के साथ लिखित जॉइनिंग लेटर दिया जाए। धरना स्थल पर लगे एक बैनर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है, जिसमें जाति का उल्लेख किया गया है।

अज्ञात राहगीर की मौके पर दर्दनाक मौत, पुलिस पहचान कराने में जुटी

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर गुरुवार-शुक्रवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में एक अज्ञात राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए चिचौली स्थित 100 शैय्या जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया गया है। हादसा करमपुर गांव के पास उस समय हुआ, जब इटावा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे चल रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राहगीर ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर एम्बुलेंस से 50 शैय्या जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी के अनुसार, मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना प्रसारित कर दी गई है।

योगी सरकार का बड़ा कदम

खीरी में 331 विस्थापित हिंदू परिवारों की बदली तस्वीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'अंत्योदय' संकल्प के तहत जनपद लखीमपुर खीरी में बांग्लादेश से विस्थापित होकर आए 331 हिंदू परिवारों का व्यापक पुनर्वास किया गया है। इन परिवारों को जिले की तीन तहसीलों के चार गांवों में बसाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा गया है, साथ ही आत्मनिर्भर बनाने के लिए खेती योग्य भूमि और सरकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया है। प्रशासनिक जानकारी के अनुसार तहसील धौरहरा के ग्राम सुजानपुर में 97 परिवार, तहसील मोहम्मदी के मियांपुर में 156 परिवार और मोहनपुर ग्रांट में 41 परिवार तथा तहसील गोला के ग्रांट नंबर-3 में 37 परिवारों को बसाया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इन परिवारों को केवल आवास ही नहीं, बल्कि आजीविका के लिए कृषि योग्य भूमि भी प्रदान की गई है। मियांपुर में बसे परिवारों को प्रति परिवार लगभग 4.75 एकड़ भूमि,

गोला क्षेत्र के परिवारों को औसतन 3 एकड़ तथा अन्य स्थानों पर 1.62 से 7 एकड़ तक भूमि आवंटित की गई है, जिससे ये परिवार अब खेती के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इन गांवों को बुनियादी सुविधाओं से भी जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से सड़क संपर्क बेहतर किया गया है, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण कराया गया है तथा समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत शिक्षा की सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा राशन वितरण, मिड-डे मील और टीकाकरण जैसी सेवाएं भी इन परिवारों तक नियमित रूप से पहुंच रही हैं।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के अनुसार पात्रता के आधार पर इन परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सामूहिक विवाह योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शामिल हैं। शासन के निर्देशानुसार इन परिवारों को सुरक्षित पुनर्वास के साथ-साथ हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आज ये 331 परिवार न केवल सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी के माध्यम से जिले की अर्थव्यवस्था में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

औरैया जिले में झोपड़ी के बाहर बंधे दो बकरे और चार बकरियों को जंगली जानवरों ने नोच डाला

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आकर बसे किसान की झोपड़ी के बाहर बंधी बकरियां और बकरों को जंगली जानवरों ने नोच-नोच कर मार डाला। मूल रूप से जालौन के रहने वाले मकरंद सिंह ने अजीतमल क्षेत्र के आदमपुर में एक प्लॉट खरीदा है। प्लॉट के पास ही झोपडी बनाकर पत्नी पूजा, पुत्री आरोही और पुत्र आरव के साथ उसमें रह कर मजदूरी आदि कर गुजर बसर कर रहा है। चार बकरी व दो बकरों को भी पाले हुए है। शुक्रवार को भोर के करीब चार बजे वह पत्नी व बच्चों के साथ आदमपुर गाँव के पास बतौर मजदूरी गेहूं की फसल काटने गया था। लौट कर लगभग सुबह आठ बजे आया। बाहर बंधे सभी बकरी/बकरे खून से लथपथ मरे पड़े मिले। करीब चार आवारा कुत्ते जैसे जानवर नोंच रहे थे। मकरंद सिंह ने बताया कि किसी जंगली जानवर के हमले से बकरियों की मौत हो गई। करीब अस्सी हजार रुपये की बकरियों को जंगली जानवरों ने नोचकर मार दिया। पीड़ित ने बताया कि जो प्लॉट खरीदा है उस पर काबिज नहीं हो पा रहा है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत सिंगाही पुलिस का जागरूकता अभियान

- महिलाओं को दिए सुरक्षा व अधिकारों के टिप्स

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपद खीरी में महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थाना सिंगाही पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में आयोजित किया गया।

अभियान के तहत पुलिस टीम ने बाजारों, सार्वजनिक स्थानों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को

जागरूक किया। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा विभिन्न प्रकार के अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस द्वारा महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों-181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी सेवा) और 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम)–की जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही, यूपीकॉर्प (ठघ्एग्घ) ऐप के उपयोग के बारे में भी बताया गया, जिससे आमजन पुलिस सेवाओं का त्वरित लाभ ले सकते हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग को देखते हुए महिलाओं को साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल/खातों से होने वाली धोखाधड़ी से बचने के व्यावहारिक उपाय भी समझाए गए।

अभियान के दौरान महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया। उन्हें घ्एट्ट्ग एक्ट (बाल यौन शोषण से संरक्षण), दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा समाज में उनके सम्मान और स्वावलंबन को सुनिश्चित करना है। जनपद खीरी पुलिस ने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में बिना झिझक नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। साथ ही, समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया गया।

नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद-कन्नौज

पत्रांक : 1196/न0पा0प0, गुर0गंज/एसबीएम — दिनांक 31.03.2026

सार्वजनिक सूचना / नोटिफिकेशन

विषयः खुले में या सार्वजनिक स्थानों पर मूत्र त्याग (Urination) पूर्णतया प्रतिबंधित किये जाने के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तथा Swachh Bharat Mission एवं Solid Waste Management Rules के प्रावधानों के अनुपालन में नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति द्वारा खुले में अथवा सार्वजनिक स्थानों (सड़क, गली, पार्क, सरकारी/अर्द्धसरकारी भवन परिसर, बाजार, बस स्टैंड आदि) पर मूत्र त्याग करना पूर्णतया प्रतिबंधित किया जाता है।

अतः

1. कोई भी व्यक्ति खुले में या सार्वजनिक स्थल पर मूत्र त्याग नहीं करेगा।
2. उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना एवं दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।
3. नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज द्वारा निर्धारित सार्वजनिक शौचालयों / मूत्रालयों का ही उपयोग किया जाए।
4. संबंधित सफाई निरीक्षक / स्वच्छता प्रभारी को चालान करने का अधिकार होगा।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।
सभी नागरिकों से अपेक्षा है कि वे स्वच्छ एवं स्वस्थ नगर के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।
दिनांकः 31-03-2026
स्थानः गुरसहायगज

(अमित कुमार)
अधिशासी अधिकारी

(मुन्नी देवी)
अध्यक्ष

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के शीर्ष क्रम पर होगी निगाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के सत्र में शनिवार को यहां जब अपने घरेलू मैदान पर पहले मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत मुंबई इंडियंस का सामना करेगा तो सभी की निगाहें उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल पारी की शुरुआत करने के लिए सात जोड़ियों को आजमाया था। उम्मीद की जा रही थी कि इस साल वह इसमें अधिक स्थिरता लाएगा लेकिन शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि समस्या अब भी बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 142 रन का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। केएल राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जबकि नितीश राणा और पथुम निस्संका भी नहीं टिक पाए जिससे उसका स्कोर चार विकेट पर 26 रन हो गया। इसके बाद 22 वर्षीय समीर रिजवी ने 'इंपैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरकर संयम और परिपक्वता का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक लगाया। इन्होंने अनुभवी ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर 119 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिलाई थी। रिजवी का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा संकेत है लेकिन शीर्ष क्रम में उसकी कमजोरी चिंता का विषय है। अब उसे जसप्रीत बुमराह के अगुवाई वाले मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना है और उसके लिए यह आसान नहीं होगा। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में जुटी कैपिटल्स की टीम शीर्ष क्रम में अधिक स्थिरता देखने के लिए उत्सुक होगी। उसके पास दो विकल्प हैं। या तो पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने अभिषेक पोरेल या फिर निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे पृथ्वी साव पर भरोसा दिखाए। इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में भी कैपिटल्स की गेंदबाजी इकाई कहीं अधिक आश्वस्त दिखी। स्टार्क इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने धीमी गेंदों का चतुराई से इस्तेमाल करना जारी रखा है और चोट के कारण काफी समय तक मैदान से बाहर रहे टी नटराजन ने लखनऊ के खिलाफ तीन विकेट लेकर अपना योगदान दिया, जबकि मुकेश कुमार ने किफायती गेंदबाजी की। कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी ने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा, जिससे विरोधी टीम को कभी भी खुलकर खेलने का मौका नहीं मिला।

सूर्यवंशी के सामने होगी गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा

एजेंसी

अहमदाबाद। कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण देखने में तो काफी खतरनाक लगता है, लेकिन शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मैच में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 'वंडर ब्वाय' वैभव सूर्यवंशी के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पंद्रह वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत की। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ केवल 15 गेंद पर अर्धशतक जड़ दिया था जिससे उसकी टीम ने 127 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया था। सूर्यवंशी शनिवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर से आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन गुजरात टाइटंस का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें रबाडा, सिराज और प्रसिद्ध जैसे खतरनाक तेज गेंदबाज हैं। इस मैच में टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से बेहतर रणनीति अपनाने की उम्मीद की जाएगी क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की हार के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई थी। इस मैच में जहां सिराज को केवल दो ओवर दिए गए थे वहीं प्रसिद्ध को 13वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाया गया था। बल्लेबाजी की बात करें तो नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है, जहां वे खुलकर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टूर्नामेंट में अब तक सभी टीम ने लक्ष्य का पीछा करना अच्छा समझा है। राजस्थान रॉयल्स के पास नांद्रे बर्गर और जोफ्रा आर्चर जैसे दो अच्छे तेज गेंदबाज हैं तथा वह गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर को शुरुआती ओवरों में कड़ी चुनौती देना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस की समस्या उसकी शीर्ष तीन बल्लेबाजों की पर अत्यधिक निर्भरता है। कप्तान गिल (27 गेंदों में 39 रन) और बटलर (33 गेंदों में 38 रन) दोनों ही मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने रंग में नहीं दिखे। सुदर्शन (11 गेंदों में 13 रन) भी चोट से उबरने के बाद लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यही नहीं शाहरुख खान, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया की मौजूदगी वाला उनका मध्य क्रम भी उतना भरोसेमंद नहीं है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगर टाइटन्स पहले बल्लेबाजी करता है तो उसे कम से कम 220 रन बनाने होंगे ताकि उनके गेंदबाजों को सूर्यवंशी पर हावी होने का मौका मिल सके। अगर वह लक्ष्य का पीछा करते हैं तो उन्हें विपक्षी टीम को 200 रन के अंदर रोकना होगा।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश ने गेंदबाजी में बदलाव का श्रेय 'विशेष व्यक्ति' को दिया, कहा 'पहचान बाद में बताऊंगा'

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेल रहे भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने एक मुश्किल दौर के बाद गेंदबाजी में अपनी लय हासिल करने में मदद करने के लिए एक 'विशेष व्यक्ति' को श्रेय दिया है, लेकिन फिलहाल वह उस व्यक्ति की पहचान उजागर नहीं करना चाहते हैं। प्रत्येक प्रारूप में खेलने वाले इस 22 वर्षीय खिलाड़ी को भारत के प्रमुख तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है, लेकिन पिछले एक साल से फिटनेस समस्याओं के कारण उनकी प्रगति पर असर पड़ा है। रेड्डी ने स्वीकार किया कि चोटों के कारण वे अपनी गेंदबाजी में सुधार नहीं कर पाए। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं शुरू से ही अपनी गेंदबाजी पर काम करना चाहता था लेकिन पिछले साल चोटिल होने के कारण मुझे इसके लिए समय नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा, ''इस सत्र के शुरू होने से पहले मुझे थोड़ा समय मिल गया और मैंने एक विशेष व्यक्ति के साथ एक सप्ताह तक अच्छा अभ्यास किया। इससे मुझे वाकई मदद मिली और उन्होंने मुझसे जो कुछ भी कहा था, वह अब समझ में आ रहा है। अब सब ठीक चल रहा है। उस 'विशेष व्यक्ति' की पहचान के बारे में पूछे जाने पर रेड्डी ने मुस्कुराते हुए कहा, ''मैं इसका खुलासा बाद में करूंगा। उस तैयारी का असर गुरुवार को स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जब रेड्डी ने 24 गेंदों में 39 रन बनाने के अलावा दो ओवरों में 17 रन देकर दो विकेट लिए और सनराइजर्स की 65 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। रेड्डी ने कहा, ''जब मैं बल्लेबाजी कर रहा था तो मुझे लगा कि विकेट थोड़ा ज्यादा तेज है क्योंकि गेंदबाज जब धीमी बाउंसर फेंकने की कोशिश करते हैं, तो कभी-कभी गेंद बल्ले पर रुककर आती है और कभी-कभी बल्लेबाज के पास तेजी से पहुंच जाती है। उन्होंने कहा, ''इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न धीमी गेंद की जाए और मैंने वही किया। मुझे रिंकू का विकेट मिला क्योंकि गेंद बल्ले की तरफ तेजी से आई और तभी बल्ले का किनारा लगा। धीमी गेंद करना मेरी ताकत हैं। इसलिए मैंने उनका पूरा फायदा उठाया। रेड्डी ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के प्रभाव के बारे में कहा, ''मुझे क्लासेन के साथ खेलने में बहुत मजा आता है। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं और स्थिति को अच्छी तरह समझ लेते हैं।

लिंगभेद विवाद के केंद्र में रही ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लिन सेमीफाइनल में पहुंचीं

उलानबटोर (मंगोलिया)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लिन यू टिंग ने शुक्रवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में आसान जीत दर्ज की। विश्व में मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने उनके लिंग की पुष्टि करने के लिए जीन परीक्षण किया था जिसमें वह सफल रही थी। इसके बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता है। ताइवान की पहली ओलंपिक मुक्केबाजी चैंपियन लिन ने 60 किलोग्राम के लाइटवेट वर्ग के पहले दौर में थाईलैंड की थानन्या सोमनुएक को 5-0 से हराया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी अयाका तागुची पर 5-0 से जीत हासिल की। तीस वर्षीय लिन ने अगस्त 2024 में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं का 57 किलोग्राम भार वर्ग का खिताब जीतने के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया था। लिन और अल्जीरिया की इमाने खलीफ ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते थे, हालांकि इन दोनों मुक्केबाजों के लिंग को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी गलतफहमियां बनी हुई थीं।

अदिति अरामको चैंपियनशिप गोल्फ में संयुक्त 58वें स्थान पर

लास वेगास। अदिति अशोक ने भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह अरामको चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। अदिति ने पहले दौर में दो ओवर 72 का स्कोर बनाया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में अवनि प्रशांत, दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। अवनी और दीक्षा तीन ओवर 75 का कार्ड खेलकर संयुक्त 71वें स्थान पर, जबकि प्रणवी चार ओवर 76 के स्कोर के साथ संयुक्त 90वें स्थान पर हैं। कट दो ओवर पार पर निर्धारित किया गया है। इससे अदिति मुश्किल में पड़ गई हैं जबकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर दूसरे दौर के बाद बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पहले दौर के बाद जापान की मियू यामाशिता और नासा हाटाओका तथा अमेरिका की लॉरेन कॉफलिन संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इन तीनों ने पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया।

भारतीय मूल की बोधना शिवानंदन इंग्लैंड की शीर्ष रैंकिंग वाली महिला खिलाड़ी बनी

नयी दिल्ली। भारतीय मूल की शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवानंदन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की नवीनतम रेटिंग सूची के अनुसार इंग्लैंड की शीर्ष महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इस 11 वर्षीय खिलाड़ी के माता-पिता 2007 में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से इंग्लैंड चले गए थे। उनके अभी 2366 रेटिंग अंक हैं। उत्तरी लंदन में रहने वाली प्राथमिक विद्यालय की छात्रा बोधना ने फिडे की सूची में चार बार की ब्रिटिश महिला चैंपियन 25 वर्षीय लैन याओ को पीछे छोड़कर इंग्लैंड के खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके साथ ही वह पहली बार विश्व की शीर्ष 100 महिला खिलाड़ियों में भी शामिल हो गई हैं। वह अभी 72वें स्थान पर काबिज हैं। इंग्लैंड के शतरंज महासंघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, ''यह हैरो की एक स्कूली छात्रा के लिए बड़ी उपलब्धि है जिन्होंने (2020 के कोविड19) लॉकडाउन के दौरान उस बैग में शतरंज का बोर्ड और सेट मिलने के बाद इस खेल को अपनाया, जिसे उसके पिता फेंकना चाह रह थे।

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद के उप कप्तान अभिषेक शर्मा पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। अभिषेक ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के तहत लेवल एक के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मान लिया। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। अभिषेक ने 21 गेंदों में 48 रन बनाकर सनराइजर्स को शानदार शुरुआत दिलाई थी। सनराइजर्स ने यह मैच 65 रन से जीता जो उसकी मौजूदा टूर्नामेंट में पहली जीत भी है। अभिषेक ने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाए लेकिन टीवी अंपायर नितिन मेनन के फैसले पर असहमति जताने के लिए उन पर जुर्माना लगाया गया।

मेरे स्ट्राइक रेट की आलोचना करने के पीछे खास एजेंडा: रहाणे

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपने स्ट्राइक रेट को लेकर हो रही आलोचना के बारे में कहा कि इस चर्चा के पीछे एक 'खास एजेंडा' और 'ईर्ष्या' का भाव मौजूद है। केकेआर की आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 65 रन की करारी हार के बाद रहाणे के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठने लगे हैं। केकेआर की टीम 227 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए 16 ओवर में 161 रन पर आउट हो गयी। यह इस सत्र में उसकी लगातार दूसरी हार है। इस हार ने सारा ध्यान रहाणे के प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट पर केंद्रित कर दिया। गुरुवार को 10 गेंदों में आठ रन बनाने वाले केकेआर के कप्तान ने आलोचनाओं पर अप्रत्याशित रूप से तल्ख रवैया अपनाया। रहाणे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''जहां तक मेरे स्ट्राइक रेट का सवाल है तो मुझे लगता है कि 2020 से अब तक मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, शायद वे मैच नहीं देख रहे हैं या उनके मन में मेरे खिलाफ कोई खास एजेंडा है। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, ''वे नहीं चाहते कि मैं खेलता रहूं। मैंने जितनी सफलता हासिल की है उसे देखकर शायद वे मुझसे ईर्ष्या करते हैं। मुझे इसकी ज्यादा चिंता नहीं है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे इस खिलाड़ी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के लिए 10 पारियों में 161.57 के स्ट्राइक रेट से 391 रन बनाए थे। पिछले साल केकेआर आठवें स्थान पर रहा था लेकिन रहाणे ने टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। रहाणे बीच के ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में रहाणे ने पहली 18 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन अगली 22 गेंदों में केवल 31 रन ही बना सके। रहाणे ने कहा, ''जो लोग बातें कर रहे हैं उन्हें खेल की समझ नहीं है और मुझे लगता है कि वे चाहते हैं कि मैं एक अलग तरह की पारी खेलूं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि अजिंक्य रहाणे अपने खेल में इतना सुधार कर लेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बातें कर रहे हैं, फिर चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक। उन्होंने कहा,''मुझे बहुत खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं। उन्हें बात करने दीजिए। लेकिन बल्लेबाजी और साझेदारी के लिहाज से यह शानदार रहा है। मुंबई के खिलाफ हमने बहुत अच्छी साझेदारी की थी। सनराइजर्स के खिलाफ अपनी धीमी पारी के बारे में रहाणे ने कहा, ''आप लोग जानते हैं कि मैं क्या कर रहा हूं। कभी-कभी बल्लेबाज के रूप में आपको वह लय नहीं मिलती, जिसकी आप उम्मीद करते हैं। आप पहले छह ओवर में बेखौफ होकर खेलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ''कभी-कभी आपको संघर्ष करना पड़ेगा। यह ठीक है। इसे स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। लेकिन मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। मैं जानता हूं कि अतीत में मैंने क्या किया है और मैं इसके बारे में सोचने के बजाय खुद पर भरोसा रखता हूं। जो भी मेरे बारे में बात कर रहा है, उसे करने दो।

दुर्घटना के बाद टाइगर वुड्स ने अधिकारी से कहा कि वह राष्ट्रपति से बात कर रहे थे

ऑरलैंडो। पिछले सप्ताह फ्लोरिडा में अपनी एसयूवी कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने अपनी पहुंच का रौब जमाने के लिए फोन निकाला और एक पुलिस अधिकारी से कहा, ''मैं अभी राष्ट्रपति से बात कर रहा था। वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद बॉडी कैमरा फुटेज में यह बात सामने आई। वुड्स की फोन पर हुई बातचीत को वीडियो में रिकॉर्ड नहीं किया गया था। इसलिए यह स्पष्ट नहीं था कि वुड्स राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र कर रहे थे या नहीं। ट्रंप की पूर्व बहू वैनेसा ट्रंप वुड्स को 'डेट' कर रही हैं। इस गोल्फर की 27 मार्च को गिरफ्तारी के कुछ ही समय बाद ट्रंप से वुड्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, ''मुझे बहुत बुरा लग रहा है। उन्हें कुछ परेशानी है। वह मेरे बहुत करीबी मित्र हैं। वह एक अद्भुत व्यक्ति हैं। अद्भुत इंसान हैं। लेकिन उन्हें कुछ परेशानी है।

पश्चिम एशिया संकट: पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण वैश्विक तेल कीमतों में उछाल से पाकिस्तान ने पेट्रोल तथा हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है। पाकिस्तान सरकार ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में घोषणा की। इसके अनुसार, पेट्रोल की कीमत 137.23 रुपये प्रति लीटर (करीब 42.7 प्रतिशत) बढ़ाकर 321.17 रुपये से 458.41 रुपये प्रति लीटर कर दी। वहीं एचएसडी की कीमत 184.49 रुपये प्रति लीटर (करीब 55 प्रतिशत) बढ़ाकर 335.86 रुपये से 520.35 रुपये प्रति लीटर कर दी गई। ये नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। केरोसिन तेल की कीमत भी 34.08 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 457.80 रुपये कर दी गई है। सरकार ने डीजल की कीमतों में वृद्धि को सीमित रखने के लिए पेट्रोलियम शुल्क दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर शुल्क 105 रुपये से बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया जबकि डीजल पर 55 रुपये प्रति लीटर के शुल्क को शून्य कर दिया गया। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इस फैसले को ''कठिन निर्णय'' करार देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य सब्सिडी को केवल जरूरतमंद वर्गों तक सीमित रखना, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और आर्थिक स्थिरता को सुरक्षित रखना है। प्रधानमंत्री के आर्थिक मामलों के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने 'जियो न्यूज' के साथ साक्षात्कार में कहा कि पिछले महीने पेट्रोल की खपत में आठ प्रतिशत और डीजल की खपत में 13 प्रतिशत वृद्धि दर्ज होने के बाद सरकार ने खपत नियंत्रित करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद सरकार ने पहले ही 55 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी। बाद में तीन सप्ताह तक और बढ़ोतरी को रोका गया। सरकार अब भी मोटरसाइकिल चालकों, अंतरनगरीय परिवहन, मालवाहक वाहनों और किसानों को सब्सिडी दे रही है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया जब सरकारी अधिकारियों ने संकेत दिया कि 129 अरब रुपये की सब्सिडी देने के बाद पेट्रोलियम उत्पादों पर और सब्सिडी देना संभव नहीं है। इससे पहले सरकार ने जनता को सस्ता ईंधन उपलब्ध कराने के लिए कई मितव्ययिता उपाय लागू किए और विकास बजट में 100 अरब रुपये की कटौती भी की थी।

सुदर्शन येल्लामाराजू टेक्सास ओपन के पहले दौर के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर

सैन एंटोनियो (अमेरिका)। भारत में जन्मे कनाडाई गोल्फर सुदर्शन येल्लामाराजू ने वैलेरो टेक्सास ओपन में तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ शुरुआत की और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद मार्क हबर्ड शीर्ष पर काबिज थे। उन्होंने सात अंडर 65 का स्कोर बनाया। हबर्ड ने चौथे होल में बोगी की लेकिन इसके बाद उन्होंने आठ बर्डी लगाकर दिन का अच्छा समापन किया। येल्लामाराजू ने 10वें, 11वें और 12वें होल में लगातार तीन बर्डी लगाकर शुरुआत की, लेकिन 15वें और 18वें होल पर वह बोगी कर बैठे।

उन्होंने 17वें होल में एक और बर्डी हासिल की। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले नौ होल की शुरुआत दो बर्डी से की, लेकिन पांचवें और सातवें होल पर शॉट गंवा दिए। उन्होंने नौवें होल पर बर्डी के साथ पहले दौर का समापन किया।

जब मैं भावनात्मक रूप से कमजोर था, तब दिनेश कार्तिक ने मेरी मदद की: जितेश शर्मा

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के उप कप्तान जितेश शर्मा ने कहा कि जब अपने पिता के निधन के बाद वह भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर रहे थे तब पूर्व भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने उनकी काफी मदद की। जितेश ने कहा कि इस साल फरवरी में उनके पिता के निधन के बाद कार्तिक ने उन्हें कुछ समय के लिए खेल से दूर रहने और भावनात्मक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया था। जितेश ने आरसीबी के एक पॉडकास्ट में कहा, '''डीके (दिनेश कार्तिक) अन्ना ने मुझसे कहा कि मैं थोड़ा आराम करूं। कुछ समय के लिए खेल से दूर रहूं तथा अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताऊं। इससे मुझे फिर से तरोताजा होने में मदद मिली। पिछले महीने जितेश ने पीटीआई से कहा था कि पिता के निधन के बाद उनके जीवन में प्राथमिकताएं कैसे बदल गईं। जितेश ने पिछले साल आरसीबी की आईपीएल में पहली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें कार्तिक ने बल्लेबाजी कोच और मेंटोर (मार्गदर्शक) के रूप में भी योगदान दिया था। उन्होंने कहा, ''मेरे अच्छे प्रदर्शन का बहुत सारा श्रेय डीके अन्ना को जाता है। उन्होंने मुझे अपने खेल को बेहतर ढंग से समझने, अपनी ताकत का सही उपयोग करने और मानसिक रूप से मजबूत बनने में मदद की। जितेश ने कहा कि एक मुश्किल दौर के बाद आरसीबी की टीम में वापसी करते हुए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रवेश करने से उन्हें सुकून मिला। उन्होंने कहा, ''जब मैं चिन्नस्वामी में वापस आया और फिर से लाल और नीले रंग को देखा तो मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा पुनर्जन्म हुआ हो। अपनी बल्लेबाजी के बारे में जितेश ने कहा, ''मेरा सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है और वह है गेंद पर नजर रखना।

पश्चिम एशिया संकट: इंडक्शन हीटर व उसके बर्तनों के उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर सरकार ने की चर्चा

नयी दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इंडक्शन हीटर और उससे संबंधित बर्तनों की बढ़ती मांग को देखते हुए इनके उत्पादन को बढ़ाने के उपायों पर शुक्रवार को चर्चा की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर तेल व गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है और लोग तेजी से इंडक्शन हीटर व बर्तन खरीद रहे हैं। यह बैठक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हुई। इसमें ऊर्जा सचिव, विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। एक अधिकारी ने कहा, '' हमने इस पर चर्चा की कि इंडक्शन हीटर और उससे जुड़े बर्तनों (जैसे इंडक्शन कुकर के बर्तन) का उत्पादन किस तरह तेजी से बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और बाजार में ये तेजी से बिक रहे हैं। अधिकारी ने साथ ही बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि वस्तुओं व सेवाओं दोनों के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है। वाणिज्य मंत्रालय इसके अंतिम आंकड़े 15 अप्रैल को जारी करेगा।

हमारे अपशिष्ट जल समाधान से उद्योग बचा सकते हैं 90-95 प्रतिशत पानी: केईपी इंजीनियरिंग

एजेंसी

नयी दिल्ली। केईपी इंजीनियरिंग सर्विसेज ने शुक्रवार को कहा कि उसके एकीकृत अपशिष्ट जल प्रबंधन समाधान उद्योगों को 90-95 प्रतिशत तक अपशिष्ट जल पुनः प्राप्त करने में सक्षम बनाते है। इससे ताजे पानी पर निर्भरता कम होगी और परिचालन दक्षता बढ़ेगी। हैदराबाद स्थित कंपनी ने बयान में कहा कि उसके समाधान में 'एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट', 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम', 'मल्टी-इफेक्ट इवेपोरेटर' और 'कंडेनसेट इंटीग्रेटेड गैस रिकवरी' शामिल हैं। इनके जरिये उद्योग अपनी करीब सभी प्रक्रिया और उपयोगिता जल का उपचार एवं पुनर्चक्रण (रिसाइकल) कर सकते हैं। कंपनी के अनुसार, इन प्रणालियों के जरिये उपचारित पानी को कूलिंग टावर, उपयोगिताओं और अन्य गैर-पेय अनुप्रयोगों में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे औद्योगिक समूहों को लगभग सभी प्रक्रिया और उपयोग के पानी का उपचार और पुनर्चक्रण करने की सुविधा मिलती है। केईपी इंजीनियरिंग पेट्रोरसायन, रसायन, खाद्य व दुग्ध, वस्त्र, खनन, धातु, मोटर वाहन, कागज, दवा, चीनी व 'डिसैलिनेशन' जैसे उद्योगों को सेवाएं देती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक मालू कांबले ने कहा, '' औद्योगिक तरल अपशिष्ट बोझ नहीं है बल्कि एक ऐसा संसाधन है जिसे सही तरीके से उपयोग में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' पानी की कमी इसलिए नहीं है क्योंकि वह अनुपलब्ध है; बल्कि इसलिए है क्योंकि जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां इसकी उपलब्धता सीमित है। भारत में प्रतिदिन 72,00 करोड़ लीटर (एमएलडी) से अधिक 'सीवेज' उत्पन्न होता है। फिर भी इसका केवल लगभग 28 प्रतिशत ही उपचारित किया जाता है जिससे लगभग 72 प्रतिशत अनुपचारित रह जाता है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

योगी सरकार में निज़ामाबाद की ब्लैक पॉटरी को मिला वैश्विक सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ जनपद अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्पकला के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। यहां के निज़ामाबाद क्षेत्र की ब्लैक पॉटरी (काली मिट्टी की कारीगरी) विश्वभर में अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए है। इस शिल्प में प्रयुक्त विशेष प्रकार की चिकनी मिट्टी स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होती है, जो इस कला को और भी विशिष्ट बनाती है। निज़ामाबाद क्षेत्र में 200 से अधिक कारीगर परंपरागत शिल्प से जुड़े हुए हैं। ये कारीगर अपने हुनर से विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे फूलदान, बर्तन, चायदान, शक्करदान और सजावटी वस्तुएँ तैयार करते हैं। इन उत्पादों की मांग देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि ये वस्तुएं उपयोगी होने के साथ-साथ सौंदर्य की दृष्टि से भी बेहद आकर्षक होती हैं। आज़मगढ़ का यह शिल्प उद्योग न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आर्थिक रूप से भी स्थानीय लोगों के जीवन का एक मजबूत आधार है। जिले की अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ-साथ यह प्राचीन उद्योग भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। निज़ामाबाद की फैंसी पॉटरी विशेष रूप से अपनी नक्काशी और चमकदार काले रंग के लिए प्रसिद्ध है। कुम्हार समुदाय द्वारा बनाए जाने वाले मिट्टी के बर्तन और देवी-देवताओं की प्रतिमाएं (गणेश, लक्ष्मी, शिव, दुर्गा और माता सरस्वती) मेलों और त्योहारों के दौरान विशेष रूप से लोकप्रिय रहती हैं। इन कलाकृतियों में पारंपरिक आस्था और कलात्मकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। ब्लैक पॉटरी की सबसे खास विशेषता इसका गहरा काला रंग है, जो एक विशेष प्रक्रिया से प्राप्त किया जाता है। कारीगर पहले तैयार बर्तन को मिट्टी और वनस्पति के घोल में डुबोते हैं, जिससे

उसका आधार रंग बनता है। इसके बाद उसे विशेष तकनीक से पकाया जाता है और आकर्षक चमक देने के लिए पारा, रांगा और सीसा जैसे तत्वों का उपयोग किया जाता है। इस दिशा में योगी सरकार प्रयास कर रही है। सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से आज़मगढ़ की ब्लैक पॉटरी को नई पहचान और व्यापक बाजार मिला है। कारीगरों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बेहतर विपणन अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। यही कारण है कि यह पारंपरिक कला आज के आधुनिक समय में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि इस अनमोल धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है और कारीगरों को निरंतर प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है, ताकि यह कला आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित और जीवंत बनी रह सके। निज़ामाबाद के ब्लैक पॉटरी फाउंडेशन के निदेशक संजय कुमार यादव बताते हैं कि योगी सरकार के कारण उन्हें कॉमन फैसिलिटी सेंटर की सुविधा प्राप्त हुई। इस सुविधा के मिलने के बाद उनका व्यापार तेजी से बढ़ा है। आधुनिक मशीनों की उपलब्धता के कारण अब वे अपने ऑर्डर समय पर और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा कर पा रहे हैं। वह कहते हैं कि यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) योजना का परिणाम है।

म्यूल अकाउंट जांच में साइबर क्राइम टीम की बड़ी कार्रवाई, 60 करोड़ के संदिग्ध ट्रांजैक्शन का खुलासा

देवरिया। देवरिया में साइबर क्राइम पुलिस टीम ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए म्यूल अकाउंट के जरिए फर्जी लेन-देन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से भारी मात्रा में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने आज बताया कि थाना साइबर क्राइम टीम ने 2 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए बरहज थाना क्षेत्र के बेलडाड़ मोड़ के पास से आरोपित माखन लाल गुप्ता को गिरफ्तार किया। वह बरगइया टोला, जयनगर वार्ड नंबर-4 का निवासी है। जांच में सामने आया कि उसने ह्लेक्सी रुफ सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेडङ्क नाम से एक डमी कंपनी बना रखी थी, जिसके जरिए कई बैंक खातों का संचालन किया जा रहा था। इस नेटवर्क में कुल 9 खाते शामिल पाए गए। इन खातों पर विभिन्न राज्यों से एनसीआरपी पोर्टल पर 46 शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, इन खातों के माध्यम से अब तक करीब 60 करोड़ रुपये का संदिग्ध ट्रांजैक्शन किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 चेकबुक, 9 एटीएम कार्ड, पासबुक, आधार कार्ड, विभिन्न कम्पनियों के एग्रीमेंट दस्तावेज, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, कंपनी के एमओए और एओए सहित बड़ी संख्या में कागजात बरामद किए गए। इसके अलावा एक एप्पल मोबाइल फोन और दो डेल लैपटॉप भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में थाना साइबर क्राइम देवरिया में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 66क में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सशक्त और विकसित राष्ट्र के लिए कृतसंकल्पित है भाजपा : शाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- भाजपा ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर किया बैठक

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को आगामी कार्यक्रमों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई । अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने पार्टी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि 05 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पार्टी के कार्यक्रम चलाए जाने की कार्ययोजना है उसके बाद 14 अप्रैल को बना साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 5, 6, 7 को बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक के कार्यालयों को सजाया जाएगा तथा 06 अप्रैल को पार्टी के बूथ स्तर तक के कार्यालयों पर झंडारोहण कराया जाएगा तथा सभी कार्यकर्ता अपने घरों पर भी पार्टी का झंडा लगाएंगे। हर बूथों पर प्राथमिक सदस्य, सक्रिय सदस्य, तथा गणमान्य व्यक्ति को सम्मानित किया जाएगा। 08 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन देवरिया क्लब सभागार में 11 बजे कराया जाएगा। पूरे जनपद में लगभग 2700 सक्रिय सदस्य हैं। ग्राम बस्ती संपर्क अभियान 7 से 12 अप्रैल तक चलाया जाएगा जिसमें पार्षद से लेकर प्रदेश पदाधिकारी भाग लेंगे। इस दौरान मंडलों में गोष्ठियों का आयोजन कराया जाएगा, जिसमें जनपद के विभिन्न पदाधिकारियों को भेजा जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता का कार्यक्रम भी किए जाएंगे तथा गांवों में 25 से 30 व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाना है। राष्ट्र प्रथम की भावना को आत्मसात करते हुए इन सभी कार्यक्रमों को हमे मिलजुल कर संपादित करना है। जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे।

बलिया : भाजपा जिलाध्यक्ष ने घोषित की पार्टी की जिला कमेटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया के भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने पार्टी के नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इसमें मिशन 2027 को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक मजबूती के लिए सामाजिक समीकरणों का ध्यान रखा गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व संगठन महामंत्री धर्मपाल की संस्तुति पर आठ उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, आठ मंत्री, एक मीडिया प्रभारी, एक कोषाध्यक्ष, एक कार्यालय मंत्री, एक आईटी प्रभारी, एक सोशल मीडिया प्रभारी व 29 जिला पदाधिकारी समेत 61 सदस्यों की घोषणा की गई है। इनमें डा. मिलन राम, प्रदीप सिंह, मनोज श्रीवास्तव, कृष्णा पाण्डेय, योगेश सिंह, तारकेश्वर गोड़, संतोष पाण्डेय व शशि चौरसिया को उपाध्यक्ष, जबकि आलोक शुक्ला, संजीव कुमार डम्पू तथा हिमांशु प्रताप सिंह मंटू महामंत्री बनाए गए हैं। जिला मंत्री आलोक सिंह मोनू, राजेश सिंह, सुधीर पाण्डेय, विजय लक्ष्मी सिंह, रीना राव, भरत राय, अजय राजभर व मण्टू बिन्द बनाए गए हैं। पंकज सिंह जुगुनू को मीडिया प्रभारी तथा उमाशंकर सैनी को कोषाध्यक्ष के साथ हरिनारायण गुप्ता को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसी प्रकार जिला कार्यालय मंत्री कमलेश कुमार पाण्डेय को बनाया गया है।आईटी के संयोजक संजीव कुमार सिंह बनाए गए। वहीं सोशल मीडिया के प्रभारी नितेश मिश्रा तथा सह संयोजक लवकुश कुमार मद्धेशिया बनाए गए हैं। इसके साथ ही कुल 63 कार्यसमिति सदस्य की भी घोषणा की गई है। जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने सभी को बधाई देते हुए उम्मीद जतायी है कि सभी लोग एकजुट होकर 2027 में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाते हुए बलिया में सातों विधानसभा जीतेंगे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

विंध्याचल धाम पहुंचे कथावाचक राजन महाराज, बोले- धर्म में आस्था ही जीवन का आधार

- राजन महाराज ने मां के चरणों में नवाया शीश, भक्तों ने लिया आशीष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। विंध्याचल धाम में शुक्रवार को उस समय आध्यात्मिक वातावरण और भी भावपूर्ण हो उठा, जब प्रसिद्ध कथावाचक राजन महाराज मां आदिशक्ति माता विंध्यवासिनी के दरबार में पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर देश की समृद्धि, शांति और जन-जन की खुशहाली की कामना की। इस दौरान आचार्य अगस्त्य द्विवेदी के सानिध्य में विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। मां के चरणों में नमन करते हुए राजन महाराज ने कहा कि धर्म में अटूट विश्वास ही जीवन को संतुलित और सुखी बनाता है। जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है, वह हर परिस्थिति में प्रसन्न रहता है। विंध्याचल धाम के बदले स्वरूप को देखकर वे खासे प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में धाम ने भव्यता, स्वच्छता और सुव्यवस्था के नए आयाम स्थापित किए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किए गए विकास कार्य वास्तव में सराहनीय हैं। बताया गया कि राजन महाराज इन दिनों प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र में चल रही कथा के दौरान मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए विशेष रूप से विंध्याचल पहुंचे थे। उन्होंने शासन-प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यहां की यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और साफ-सफाई में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इन व्यवस्थाओं से न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को सुविधा मिली है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए भी दर्शन प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सहज और सुगम हो गई है। विंध्याचल धाम को उन्होंने देश के प्रमुख शक्तिपीठों में शुमार बताते हुए कहा कि यहां हर श्रद्धालु की गहरी आस्था जुड़ी है। राजन महाराज ने विश्वास जताया कि धाम का यह तेजी से हो रहा विकास धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके आगमन से स्थानीय श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में भक्तों ने उनसे आशीर्वाद लिया और धार्मिक चर्चा में भाग लिया।

जौनपुर में बदला मौसम का मिजाज, बारिश और तेज हवाओं से किसानों की बढ़ी चिंता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली। सुबह जहां तेज धूप खिली हुई थी, वहीं दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए और शहर समेत जिले के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश भी हुई है। धूल भरी आधी के कारण घंटी आवागमन प्रभावित रहा।लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर आंधी का बंद होने का इंतजार करते रहे। इस बदलाव ने आमजन को राहत तो दी, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अचानक आई नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव का सीधा असर रबी की फसलों पर पड़ सकता है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बारिश तेज होती है या ओलावृष्टि होती है, तो खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों, चना और अरहर की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। कृषि वैज्ञानिक सुरेश कन्नौजिया ने किसानों को चेतावनी दी है कि इस तरह के मौसम में फसलों में फाइटॉफ्थोरा (फफूंद जनित रोग) का खतरा बढ़ जाता है, जिससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। वहीं, खेतों के साथ-साथ खलिहानों में रखी फसलें भी सुरक्षित नहीं हैं। सरसों, मटर, अगेती चना और मसूर जैसी फसलें खुले में मड़ाई के लिए रखी गई हैं, जिनके भीगने से गुणवत्ता और उत्पादन दोनों पर असर पड़ सकता है। बरसठी के किसान रमेश चंद्र और नेवढ़िया के उमाशंकर तिवारी ने बताया कि इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है।

जौनपुर का जकारिया परिवार संभाले है 200 साल पुराने इत्र उद्योग की विरासत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर की पहचान केवल उसकी तहजीब और संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां का पारंपरिक इत्र उद्योग भी खास स्थान रखता है। इस विरासत को पिछले 200 से अधिक वर्षों से जकारिया परिवार सहेजता आ रहा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1805 में हुई थी। आज इस परंपरा को सातवीं पीढ़ी के रूप में आगे बढ़ा रहें हैं। मोहम्मद मुस्तफा जकारिया ने शुक्रवार को हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए कहा है कि इत्र बनाना उनके लिए केवल रोजगार नहीं, बल्कि उनकी पहचान और विरासत है। जौनपुर में तैयार होने वाला इत्र अपनी शुद्धता और गुणवत्ता के कारण देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी काफी पसंद किया जाता है। जकारिया परिवार आज भी इत्र निर्माण में पारंपरिक तरीकों को ही प्राथमिकता देता है। गुलाब, केवड़ा, चमेली और खस जैसे प्राकृतिक फूलों से आसवन (डिस्टिलेशन) प्रक्रिया के जरिए इत्र तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया में समय और मेहनत दोनों अधिक लगते हैं, लेकिन यही इसकी खासियत भी है, जिससे इत्र की खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। मुस्तफा जकारिया ने बताया कि बदलते समय के साथ सोशल मीडिया ने उनके व्यवसाय को नई दिशा दी है। अब ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार तुरंत इत्र बनवाकर ले जाते हैं। इससे कारोबार को बढ़ावा मिला है और नए ग्राहकों तक पहुंच आसान हुई है। उन्होंने सरकार से इस पारंपरिक उद्योग को बढ़ावा देने की मांग भी की है, ताकि इस उद्योग से जुड़े लोग और अधिक सक्रिय हो सकें। जौनपुर का यह इत्र उद्योग आज भी अपनी पुरानी परंपराओं और गुणवत्ता के बल पर एक अलग पहचान बनाए हुए है। सरकार से मांग है कि जिस प्रकार उन्होंने जनपद की चर्चित इमरती को बढ़ावा दिया है उसी प्रकार इत्र पर भी ध्यान दिया जाय, जिससे इस कौशल के द्वारा लोगों रोजगार भी प्राप्त हो सके।

रविवार को मिलेगी दूसरी मल्टीलेवल पार्किंग की सौगात

- 27.26 करोड़ रुपये आई है लागत, मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स में 43 दुकानदारों को कारोबारी ठौर भी मिलेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर महानगर को 5 अप्रैल को दूसरी मल्टीलेवल पार्किंग का उपहार मिल जाएगा। यह मल्टीलेवल पार्किंग शहर के व्यस्ततम समझे जाने वाले घंटाघर क्षेत्र में बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसे एक कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया गया है। जहां कुल 43 दुकानदारों को कारोबारी ठौर भी मिलेगा। रविवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर उनके हाथों घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण और विरासत गलियारा पांडेयहाता में बनने वाले नए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का भूमि पूजन-शिलान्यास भी होगा। शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र घंटाघर में आमजन के लिए सुगम आवागमन और व्यापारियों को सहज कारोबारी गतिविधियों को संचालित करने के लिए नगर निगम की तरफ से शहीद बंधु सिंह पार्क में करीब 1540 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 'मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स' का निर्माण कराया गया है। इसके निर्माण पर 27.26 करोड़ रुपये की लागत आई है। कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में 26 कारों, द्वितीय तल पर 24 और छत पर 200 दोपहिया वाहनों की पार्किंग हो सकेगी। जबकि भूतल पर 21 तथा प्रथम तल पर 22 दुकानों और पुरुष-महिला शौचालय का निर्माण हुआ है। भूतल पर ही करीब 220 वर्गमीटर क्षेत्र में शीतला माता मंदिर अवस्थित रहेगा। कॉम्प्लेक्स में दोनों तरफ सीढ़ियों और दो लिफ्ट की व्यवस्था है। यह गोरखपुर शहर का दूसरा मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स होगा। गोलघर में एक मल्टीलेवल पार्किंग पहले से संचालित है। घंटाघर इलाके में कारोबार और जीवन सुगमता के लिहाज से मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घंटाघर क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख कारोबारी इलाकों में शुमार है। यहां न केवल गोरखपुर बल्कि आसपास के अन्य जिलों, बिहार और नेपाल के सीमाई इलाकों के लोग और कारोबारी खरीदारी करने आते हैं। पुरानी बसावट होने के कारण इस क्षेत्र की सड़कें ट्रैफिक लोड के हिसाब से संकरी थीं। हालांकि धर्मशाला बाजार से पाण्डेयहाता तक विरासत गलियारा का निर्माण पूर्ण होने के बाद सड़कें चौड़ी हो जाएंगी। सड़क चौड़ीकरण के साथ ही सीएम योगी के विजन से घंटाघर में जाम की समस्या के निजात के लिए मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराया गया है। मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण से घंटाघर, माया बाजार, हिंदी बाजार आदि प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या दूर होगी। साथ ही, यहां लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी योगी सरकार पांडेयहाता विरासत गलियारा में व्यापारियों के लिए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनवाने जा रही है। इसमें सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित दुकानदारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर 36.47 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके बेसमेंट में पार्किंग की व्यवस्था होगी जबकि भूतल से लेकर तृतीय तल मिलाकर कुल 65 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। रविवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे।